चैत्र कृष्ण पक्ष- 10, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 246 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
13 मार्च 2026 शुक्रवार

दोपहर मेट्रो
बेबाक खबर हर दोपहर

आज का मौसम
36.9 अधिकतम
15.2 न्यूनतम

Page-7

ईरान के तीखे पलटवार का दोषी कौन? ट्रम्प या पेंटागन का थिंक टैंक?

युद्ध में ईरान लंबे ठीके रहने की वजह आखिर क्या है? इसके लिए दोषी कौन है? मरहूम अयातुल्लाअली खेमनई या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ? या फिर अमेरिका रक्षा विभाग यानि पेंटागन का थिंक टैंक। यही अमेरिकी के लिए जंग की योजना का खाका तैयार करती है। सारे मुद्दों पर सिलसिलवार विश्लेषण की शुरूआत सबसे पहले ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल की संयुक्त जंग से। यह युद्ध कब और किस अंजाम के साथ थमेगा इसका अंदाजा किसी को नहीं है। यह साफ है कि ट्रम्प ने अपने तुगलकी टैरिफ ट्रिक को यूएस की सुप्रीम अदालत और टैरिफ कोर्ट से मिले झटकों से दुनिया का फोकस मोड़ने के लिए हमले की योजना को अंजाम दिया। उधर, ईरानी सुप्रीम लीडर अली खेमनई को अमेरिका के इरादों की पुख्ता भनक काफी पहले ही लग गई थी। इसीलिए ईरान ने गुपचुप छह महीने से अपनी रक्षा और पलटवार की रणनीति तैयार कर रखी थी। सवाल यह है कि अमेरिका से ईरान के पलटवार के आकलन में कहां चूक हो गई?

वॉर एनालिसिस
● राजेश सिरोठिया

थिंक टैक की मौज मस्ती पर 94 अरब डॉलर का खर्च !

यह वाकई चौंकाने वाली खबर है कि पेंटागन ने इस हमले को अंजाम जेने के लिए जिस भारी भरकम थिंक टैक को प्लानिंग का जिम्मा सौंपा वह इसके प्रति गंभीर नहीं था। थिंक टैंक को लगता था कि ईरान को तो अमेरिका मिनटों में तबाह करके अपने लक्ष्य 24 घंटे में हासिल कर लेगा। शायद इसीलिए उसने फुलप्रूफ प्लान तैयार करने के बजाए इसके नाम पर मौज मस्ती करने पर ज्यादा फोकस किया। खबरों पर यकीन किया जाए तो प्लानिंग के नाम पर यूएसए थिंक टैंक ने दो महीने के भीतर ही विलासिता पर सरकार के तकरीबन 94 अरब डॉलर उड़ा दिए। इसमें जरूरी उपकरणों, सैन्य साजो सामान की खरीदी पर कम, मौजमस्ती तथा खानपान पर ज्यादा खर्च किया । इससे बेखबर ट्रम्प ईरान के खिलाफ उलजलूल बयानबाजी करते हुए वहां जेनजी आंदोलन के नाम पर जंग की पृष्ठभूमि तैयार करने और तख्ता पलट की तैयारी में व्यस्त रहे । ट्रम्प यहीं मात खा गए। अब जंग का असली दोषी किसे माना जाए? अली खेमनई को जो अब इस दुनिया में नहीं है। जिन पर जेन जी आंदोलन को कुचलने के लिए अपने नागरिकों पर नरसंहार के आरोप थे। या ट्रम्प को जिन्होंने अपने तुगलकी फैसलों से अपने मित्र खाड़ी खाड़ी देशों सहित कई तटस्थ राष्ट्रों बेवजह गहरे संकट में उलझा दिया? क्या कोई बताएगा की किस देश ने ट्रम्प से ईरानी एटॉमिक बम से बचने की गुहार उनसे लगाई थी, जिसके तहत वह दुनिया को ईरान से सुरक्षा देने के दावे कर रहे हैं?

मोदी सरकार का रवैया और विदेश नीति काबले तारीफ

भारत सरकार के धैर्य और संतुलित रणनीति की कांग्रेस देशहित से आगे दलीय हित को आगे रखकर जो आलोचना कर रही है, उसका उसे सियासी लाभ मिलना तो दूर नुकसान की आशंका अधिक हैं। वक्त का तकाजा कहता है कि इस गंभीर मोड़ पर कांग्रेस को देश हित को तव्जजो देना थी। पर वह चूक गई। इसमें कोई शक नहीं कि तेल, गैस के साथ ही यूरिया और रासायनिक खादों की किल्लत है और इसके समाधान की कोशिशें भी जारी हैं। कुछ खबरिया चैनलों ने भी तेल, गैस की किल्लत के नाम पर जो नैरेटिव गढ़ा उससे लोगों में असुरक्षा का भाव पैदा हुआ। इससे गैस और डीजल की जमाखोरी और मुनाफाखोरी को बढ़ावा मिला। जाहिर है, नरेंद्र मोदी ईरानी रार्ष्ट्रपति पेजेश्कियन और ट्रम्प से शांति की बहाली की बात कर रहे हैं तो उन्हें खाड़ी मुल्कों में फंसे 90 लाख भारतीयों की भी चिंता है। मोदी ने रूस तथा अन्य तेल व गैस निर्यातक देशों से उर्जा के वैकल्पिक समाधान खोजने के सार्थक प्रयास किए हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर कूटनीतिक रास्तों से इस संकट से निजात पाने की जुगत में हैं। पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप का फोकस भारत में ईधन की सप्लाई चेन की बहाली पर है।

युद्ध अनंत, संकट अनंता... अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर को भारी नुकसान का दावा

अब्राहम लिंकन पर मिसाइल-ड्रोन अटैक अमेरिका का मिलेट्री प्लेन ईराक में क्रैश

इजराइल ने लेबनान में जमीनी सैन्य कार्रवाई शुरू करने का आदेश दिया

तेहरान/तेलअवीव/वाशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के 14 वें दिन ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिका के बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर 'अब्राहम लिंकन' पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में जहाज को भारी नुकसान हुआ है। यह फारस की खाड़ी में तैनात था। ईरानी सेना की स्पेशल यूनिट इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) का कहना है कि हमले के बाद यह एयरक्राफ्ट कैरियर अब पीछे हट रहा है और अमेरिका की तरफ लौट रहा है। हालांकि अभी तक अमेरिकी सरकार या सेना की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर को जनवरी में ईरान के पास तैनात किया गया था। ये अमेरिका के कैरियर स्ट्राइक ग्रुप-3 का हिस्सा है, जिसमें एक न्यूक्लियर-पावर्ड एयरक्राफ्ट कैरियर के साथ कई युद्धपोत और पनडुब्बियां शामिल होती हैं। कैरियर स्ट्राइक ग्रुप नौसेना की एक बहुत ताकतवर मिलिट्री टीम होती है, जिसका सेंटर एक एयरक्राफ्ट कैरियर होता है। इसके साथ कई दूसरे वॉरशिप और पनडुब्बियां भी होती हैं। उधर, अमेरिका का एक सैन्य विमान बोइंग केसी-135 इराक में क्रैश होने की खबरें हैं। इस घटना के बाद इराक के एक शिया विद्रोही गुट ने दावा किया है कि उसी ने इस विमान को मार गिराया। इससे पहले 2 मार्च को कुवैत में भी फ्रेंडली फायरिंग की घटना में अमेरिका के तीन सैन्य विमान क्रैश होने की खबर सामने आई थी। ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाकिर गालिबफ ने इराक में अमेरिकी सैन्य विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर के बाद अमेरिका पर तंज कसा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिकी परिवारों को यह जानने का हक है कि राष्ट्रपति ट्रम्प अपने देश के बेटों और बेटियों को क्यों खतरे में डाल रहे हैं।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर की हालत गंभीर होने का दावा

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ईरान के नए सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई गंभीर रूप से घायल हैं और कोमा में हैं। ब्रिटिश मीडिया द सन की रिपोर्ट के मुताबिक 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में घायल होने के बाद उन्हें तेहरान के सिना यूनिवर्सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि उनकी हालत बेहद गंभीर है। रिपोर्ट के मुताबिक हमले में चोट इतनी गहरी थी कि उनका एक पैर काटना पड़ा और लिवर को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। ईरान के अधिकारियों ने स्वीकार किया है है कि मुजतबा खामेनेई हमले में घायल जरूर हुए थे, लेकिन वे सुरक्षित हैं और धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं।

ट्रम्प बोले- हिम्मत दिखाकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरें जहाज

डोनाल्ड ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा कि तेल के टैंकरों के क्रू को हिम्मत दिखानी चाहिए और होर्मुज स्ट्रेट गुजरना चाहिए। जबकि ईरान वहां जहाजों पर हमले कर रहा है और तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। ट्रम्प ने कहा कि डरने की कोई बात नहीं है। उनके पास नौसेना नहीं है और हमने उनके सारे जहाज डुबो दिए हैं। दूसरी और शिपिंग कंपनियों के कई अधिकारियों ने अमेरिकी नौसेना से जहाजों को सैन्य सुरक्षा देने की मांग की है। रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन ने फिलहाल इसे बहुत खतरनाक मानते हुए मंजूर नहीं किया है।

गैस की किल्लत- भोपाल में दो लाख छात्रों के खाने पर संकट

भोपाल। पूरे प्रदेश में इन दिनों एलपीजी गैस सिलेंडर की भारी किल्लत देखने को मिल रही है। सर्वर डाउन होने के कारण ऑनलाइन बुकिंग लगभग ठप हो गई है। इसके चलते भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन और जबलपुर समेत प्रदेश के कई शहरों में लोग गैस सिलेंडर बुक नहीं कर पा रहे हैं। गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर सुबह से शाम तक लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं। इस बीच कई जगहों से सिलेंडर की कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ गई है। भोपाल में करीब 2 लाख छात्र ऐसे हैं जो रोजाना होटल या कैंटीन से भोजन लेते हैं। अगर गैस की आपूर्ति बंद रही तो छात्रों के सामने भी भोजन की समस्या खड़ी हो सकती है।

होटल-रेस्टॉरेंट में गैस नहीं : एलपीजी संकट का सबसे ज्यादा असर होटल और रेस्टॉरेंट व्यवसाय पर पड़ा है। शहर के करीब 2 हजार होटल और रेस्टॉरेंट को पिछले चार दिनों से एक भी कमर्शियल सिलेंडर नहीं मिला है। उनका कहना है कि, कई होटल ऐसे हैं जहां सिर्फ 24 से 48 घंटे का ही गैस स्टॉक बचा है। अगर जल्द सप्लाई नहीं हुई तो होटल और रेस्टॉरेंट का संचालन प्रभावित हो सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे मध्य प्रदेश में करीब 50 हजार होटल और रेस्टॉरेंट ऐसे हैं जो एलपीजी गैस पर निर्भर हैं। अगर जल्द स्थिति सामान्य नहीं हुई तो हजारों लोगों के रोजगार पर भी असर पड़ सकता है। इसके अलावा लाखों ग्राहकों को भी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। होटल और रेस्टॉरेंट एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि, होटल, रेस्टॉरेंट और कॉलेज कैंटीन को भी इमरजेंसी सेवाओं में शामिल किया जाए। एसोसिएशन का कहना है कि, भोपाल में करीब 2 लाख छात्र ऐसे हैं जो रोजाना होटल या कैंटीन से भोजन लेते हैं। अगर गैस की आपूर्ति बंद रही तो छात्रों के सामने भी भोजन की समस्या खड़ी हो सकती है।

मुख्यमंत्री से मिले व्यवसायी: मध्य प्रदेश होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सूरी ने बताया कि, होटल व्यवसायियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर अपनी समस्या बताई है। उन्होंने मांग की है कि, होटल और रेस्टॉरेंट को भी आवश्यक सेवाओं की श्रेणी में शामिल किया जाए, ताकि गैस सप्लाई नियमित हो सके। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे पर सकारात्मक आश्वासन दिया है और जल्द समाधान निकालने की बात कही है।

न्यूज विंडो

राहुल आज लखनऊ में, होगा परिवर्तन दिवस संवाद

लखनऊ। कांशीराम जयंती से ठीक पहले राहुल गांधी आज यहाँ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जुपीटर हॉल में आयोजित सम्मेलन में शामिल होंगे, जहां दलित विद्वानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बुद्धिजीवियों संवाद करेंगे। कांग्रेस इस आयोजन को 'सामाजिक परिवर्तन दिवस' के रूप में मना रही है। संवाद का फोकस संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय, तथा दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, युवाओं और महिलाओं के अधिकारों पर रहेगा। इसे यूपी में कांग्रेस के कमजोर पड़े सामाजिक आधार, खासकर दलित और पिछड़े वर्गों को फिर से साधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

झगड़ा सुलझाने गई मां की बेटे ने बेरहमी से की हत्या

नई दिल्ली। सीमापुरी इलाके में एक बेटे ने अपनी 60 साल की बुजुर्ग मां की फर्श पर पटककर हत्या कर दी। बेटे और बहू के बीच हो रहे झगड़े के दौरान बुजुर्ग मां बीच बचाव करने गई थी। तभी आरोपी बेटे ने उन्हें जोर से फर्श पर पटक दिया। सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से मां हमीदुन निसा (60) को पहले नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन हालत गंभीर होने के चलते जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की बेटी शबनम के बयान पर आरोपी बेटे शेर अली को गिरफ्तार कर लिया गया ।

आज का कार्टून

लोकसभा में हंगामा, कार्यवाही स्थगित

अध्यक्ष बोले - सदन की पवित्रता को समाप्त करने पर तुला विपक्ष

नईदिल्ली. एजेंसी

लोकसभा में आज भी एलपीजी और 8 सांसदों के निलंबन को लेकर हंगामा हुआ। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के बार-बार कहने के बावजूद विपक्ष के सदस्यों का हंगामा जारी रहा। इसके कारण स्पीकर ने सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस के सांसद वेल के नजदीक पहुंच गए। उन्होंने एलपीजी संकट को लेकर चर्चा की मांग उठाई। इसके साथ ही 8 सांसदों के निलंबन को वापस लेने के लिए हंगामा किया।

स्पीकर ओम बिरला ने कहा, मैंने पहले भी आग्रह किया था और फिर से आग्रह कर रहा हूं कि प्रश्नकाल सदन का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। आज भी प्रतिपक्ष के 8 सदस्यों के प्रश्न सूचीबद्ध हुए हैं। प्रश्नकाल के अंदर देश के मुद्दे और क्षेत्र की समस्याएं उठती हैं, तो वहीं

सरकार की जवाबदेही तय होती है। इसीलिए आग्रह है कि प्रश्नकाल के अंदर सभी को बोलने का मौका दिया जाना चाहिए।

तो ऐसा ही एक्शन होगा : 8 सदस्यों के निलंबन पर सख्त टिप्पणी करते हुए स्पीकर ओम बिरला ने कहा, सदन के अंदर अगर मेजों पर चढ़ेंगे तो इसी तरह की कार्रवाई होगी। सदन की पवित्रता, चाहे वह संसद परिसर के अंदर हो या संसद के बाहर हो, उसकी पवित्रता, मर्यादा और प्रतिष्ठा बनाने की सबकी जिम्मेदारी है। जिस तरह का आचरण और व्यवहार विपक्ष के सदस्यों का रहा है, वे सदन की पवित्रता को समाप्त कर रहे हैं।

आईटी अफसर बनकर परिवार को बनाया बंधक, 50 तोला सोना और नकदी लूटी

बाग, धार. एजेंसी

नगर में पांच बदमाश खुद को आयकर विभाग का अधिकारी बताकर एक घर में घुस गए और जांच के नाम पर परिवार को बंधक बनाकर लाखों रुपये की लूट को अंजाम दिया। बदमाश करीब 50 तोला सोने के जेवर, साढ़े चार लाख रुपये नकद और मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार राजकुमार मालवीय के घर पांच लोग अधिकारी बनकर पहुंचे। बदमाश काले रंग की बिना नंबर की स्कॉर्पियो कार में सवार होकर आए थे। घर में प्रवेश करते ही उन्होंने आयकर विभाग की जांच करने की बात कही और घर की तलाशी लेने का बहाना बनाया। आरोपियों ने घर में घुसते ही राजकुमार मालवीय, उनकी पत्नी और घर में काम करने वाली महिला को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद बदमाशों ने पूरे घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान उन्होंने अलमारी की चाबी लेकर उसमें रखे करीब 50 तोला सोने के आभूषण, साढ़े चार लाख रुपये नकद और मोबाइल फोन निकाल लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने बाहर से घर में ताला लगा दिया और मौके से फरार हो गए। कुछ समय बाद पड़ोसियों की मदद से घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

एमपी के पशुओं को लगेगा खास कोड, होगी पहचान

भोपाल. एजेंसी

प्रदेश की सड़कों और खेतों में घूम रहे करीब 40 लाख आवारा पशुओं की पहचान अब दूर से ही हो सकेगी। केंद्र सरकार ने राज्य के उस प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिसके तहत आवारा मवेशियों के कान पर 12 अंकों वाला केसरिया या लाल रंग का पहचान टैग लगाया जाएगा। अब तक सभी पशुओं को पीले रंग के टैग लगाए जाते थे, जिससे पालतू और लावारिस पशुओं के बीच फर्क करना मुश्किल होता था।

लाडली बहनों के खाते में आए 1836 करोड़

भोपाल. दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के तहत प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1836 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित कर रहे हैं। यह राशि योजना की 34वीं किस्त के रूप में बहनों को प्रदान की जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री ग्वालियर जिले के घाटीगांव स्थित शबरी माता मंदिर में सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं। नवंबर से मासिक सहायता राशि में 250 रुपये की वृद्धि की गई है। इसके बाद अब पात्र महिलाओं को हर महीने 1500 रुपये की आर्थिक सहायता मिल रही है।

प्रेम बाईसा के बाद एक और साधु की मौत

बाड़मेर. एजेंसी

पश्चिमी राजस्थान में पिछले दिनों साध्वी प्रेम बाईसा केस की जांच चल रही है। इसी बीच बाड़मेर जिले में स्थित ऐतिहासिक झाक मठ के मठाधीश महंत पारसनाथ महाराज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर सामने आई है। जानकारी मिली है कि यहां गुरुवार सुबह उनका शव मठ परिसर में बने पानी के टांके (कुंड) में तैरता हुआ मिला। 57 वर्षीय महंत की अचानक हुई मौत से मठ के सेवकों, ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में हैरानी और चिंता का माहौल है। पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है।

मेट्रो एंकर | सुप्रीम कोर्ट ने कहा - सिर्फ ऑनलाइन बुकिंग वाले यात्रियों को सुविधा देना भेदभाव

रेलवे की विंडो टिकट लेने वाले यात्रियों को भी मिलेगा बीमा का लाभ

नई दिल्ली. एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि रेल दुर्घटना की स्थिति में काउंटर से टिकट खरीदने वाले यात्री भी बीमा के लाभ के हकदार हैं। रेलवे पहले केवल ऑनलाइन बुक किए गए टिकटों पर ही बीमा की सुविधा देता था। अदालत ने इस बात पर सवाल उठाया कि जब जब दोनों ही मामलों में जोखिम समान है तो यह भेदभाव कैसे किया जा सकता है।

रेलवे की बीमा योजना ट्रेन दुर्घटना या अन्य अप्रिय घटनाओं के मामले में मृत्यु और स्थायी विकलांगता के लिए 10 रुपए लाख का कवरेज, आंशिक विकलांगता के लिए 7.5 रुपए लाख और घायल होकर अस्पताल में भर्ती होने पर 2

लाख का कवर प्रदान करती है। अदालत ने कहा कि जब रेलवे टिकट बेचती है, तो आधुनिक तकनीक का उपयोग करके सभी यात्रियों (ऑफलाइन सहित) के लिए बीमा की सुविधा सुनिश्चित करना उनकी जिम्मेदारी है। खंडपीठ ने इस बात पर भी असंतोष व्यक्त किया कि रेलवे ने अपने खर्च की प्राथमिकताओं के बारे में जिस तरह से जानकारी प्रस्तुत की थी, वह संतोषजनक नहीं थी, इसलिए पीठ ने एक अधिक स्पष्ट हलफनामा मांगा, जिसमें निधियों के आवंटन और उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया हो। इस ऐतिहासिक फैसले के बाद, भारतीय रेलवे को, मुख्य रूप से आईआरसीटीसी को, अपने डिजिटल और फिजिकल टिकटिंग सिस्टम को जोड़ना होगा। इसके लिए IRCTC को हजारों स्टेशनों पर अपने पॉइंट-ऑफ-सेल सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए नया निवेश करना पड़ सकता है ताकि वह काउंटर बिक्री के साथ-साथ बीमा नामांकन और संबंधित डेटा को संभाल सके।

एक वर्ग को वंचित नहीं रख सकते

केंद्र सरकार की तरफ़ से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी ने कहा कि रेलवे अभी भी उन यात्रियों की पहचान करने के तरीकों पर काम कर रहा है, जो काउंटर से टिकट खरीदते हैं, ताकि उन्हें बीमा सर्टिफिकेट जारी किए जा सकें और दावों पर कार्रवाई की जा सके। रेलवे के मुताबिक, ऐसे मामलों में पहचान के रिकॉर्ड न होने से इसका गलत इस्तेमाल हो सकता है और बीमा कंपनियों के ख़िलाफ़ झूठे दावे किए जा सकते हैं। इस पर जस्टिस अहसानुद्दीन अमनुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि ऐसी चिंताओं के आधार पर यात्रियों के एक वर्ग को इस फायदे से वंचित करना सही नहीं ठहराया जा सकता।

सफेद हाथी साबित हो रहा है कोकता में ट्रांसपोर्ट नगर के पास बना नया दफ्तर

लोगों के लिए मुसीबत बना भोपाल आरटीओ का नया ठिकाना

ऑनलाइन सेवा के दावों पर भारी मोबाइल फोन का 'नो नेटवर्क'

दोपहर मेट्रो स्पेशल
रोहन सिरोठिया
भोपाल

राजधानी में करीब पांच साल पहले भाजपा दफ्तर के सामने स्थित आरटीओ दफ्तर के कोकटा में शिफ्ट होने के बाद यह आफिस सफेद हाथी बन गया है। फोन कंपनियों के नेटवर्क की समस्या के चलते हर दिन सैंकड़ों लोग परेशान हो रहे हैं।

सवा एकड़ जमीन पर बारह करोड़ की लागत से बने इस आरटीओ परिसर में तीन करोड़ की लागत से ड्रायविंग टेस्ट के लिए एक ट्रेक भी बनाया गया था। इसके इर्दगिर्द मंहगे कैमरे भी लगाए गए थे ताकि उसी व्यक्ति को ड्रायाविंग लायसेंस मिले जो वाकई वहन को चला सकता है। उसे ट्रेफिक रूल्स और सडक़ के संकेतकों या लेन सिस्टम की जानकारी मिल सके। अंदरखाने की मानें तो बीते पांच सालों में स्थायी ड्रायविंग लायसेंस देने के लिए इस ट्रेक का इस्तेमाल एक भी बार नहीं किया गया। लोग शहर से दस किलोमीटर दूर बड़ी उम्मीदें संजोकर जाते है कि फटाफट काम हो जाएगा , लेकिन ऐसा होता नहीं है। डिजिटलाइज्ड दफ्तर में बेहद आसानी से काम होने के सपने संजोए लोगों की उम्मीदों पर पानी तब फिरता है जब वे आरटीओ दफ्तर में दाखिल होते हैं। अंदर जाते ही जियो का हल्का नेटवर्क रह जाता है, जिससे फोन ही बमश्किल लग पाता है। नेटवर्क कमजोर होने के चलते एसएमएस, व्हाट्सऐप और ईमेल पर ओटीपी की समस्या मुंह बाए खड़ी रहती है। बीएसएनएल , एयर टेल से लेकर वोडाफोन तक का कोई नेटवर्क बिल्कुल ही नहीं आता। जिससे नेटवर्क लगभग डेड हो जाता है। आरटीओ से संबधित काम के लिए लोगों के आवेदन प्रोसेस होने के साथ ही वैरीफिकेशन के लिए ओटीपी मांगा जाता है तो वह उपभोक्ता के मोबाईल पर मिलता ही नहीं। लोग तेजी से बाहर दौड़ लगाते हैं। दफ्तर परिसर के बाहर टूटा फूटा नेटवर्क आता है । यदि संयोग से आ जाए तो लोगों को दौडक़र वापस दफ्तर में जाकर ओटीपी डालकर वैरीफिकेशन कराना पड़ता है, ताकि ओटीपी की तय पांच मिनट की समय सीमा के भीतर उसे वेरीफई किया जा सके। नेटवर्क बेहतर करने के लिए न तो विभाग ने कोई सुध ली और न मोबाईल कंपनियों ने यहां मोबाईल टावर बूस्टर आदि लगाने की जरूरत समझी। मोबाईल कंपनियों का कहना है कि विभाग से शिकायत आएगी तो बेहतर नेटवर्क की सुविधा दिलाई जाएगी, लेकिन जब किसी ने शिकायत या संपर्क ही इस बात के लिए नहीं किया तो वे क्या कर सकते हैं। कोकटा स्थित ट्रासपोर्ट नगर के पास आरटीओ दफ्तर इसलिए स्थापित किया गया था ताकि भारी वाहनों के प्रवेश से होने वाले ट्रैफिक जाम से शहर को निजात मिल जागी। लेकिन हैरत की बात तो यह है कि यहां पर किसी भी वाहन के फिटनेस का काम होता ही नहीं है। पहले होता था। इसकी व्यवस्था पुराने दफ्तर मे भी थी और नए में भी है। लेकिन अब वाहनों की फिटनेस का काम केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने निजी हाथों में पीपपी मोड पर दे दी है । भोपाल मे वाहनों की फिटनेस के लिए तीन केंद्र हैं। चौथे को मंजूरी देने की बात चल रही है। हैरत की बात तो यह है कि तीनों ही फिटनेस सेंटर परिवहन दफ्तर के आसपास ही हैं। एक रायसेन रोड पर कानासैया गांव में और कुछ किलोमीटर आगे दो केंद्र मिसरोद खजूरी बायपास पर ही हैं। भोपाल शहर को जोड़ने वाले दूसरे मार्गों पर कोई फिटनेस सेंटर नहीं दिया गया है। दो साल पहले शुरू हुए इन सेंटर्स को अच्छी मंशा के साथ ऑटोमेटेड बनाया गया था, लेकिन इनमें भी पैसे लेकर फिटनेस देने की शिकायतें आम हैं। यहां भी दलालों की खासी पैठ है।

> भोपाल आरटीओ दफ्तर में सारा काम सुचारू रूप से चल रहा है। यहां पर ऑनलाइन सेवा निर्बाध गति से चल रही हैं। स्थाई परमानेंट लायसेंस के लिए बनाए गए ट्रेक पर परीक्षण के बाद ही लायसेंस मिलता है। भोपाल में वाहनों की फिटनेस की जांच के लिए रायसेन रोड और मिसरोद-खजूरी बायपास पर तीन सेंटर खुल चुके हैं। चौथे के लिए भी कार्रवाई चल रही है।
> – **जितेंद्र शर्मा**, भोपाल क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी भोपाल।

ये हैं ऑनलाइन सेवाएं...

वाहनों का नया रजिस्ट्रेशन, वाहनों के मालिकाना हक का हस्तांतरण (यदि आधार जैसी केवायसी के साथ एप्लाई किया गया हो तो)। वरना दफ्तर में ही ही काम कराना पड़ता है। इसके अलावा फायनेंस की गई गाडियों की किश्त पूरी होने पर रजिस्ट्रेशन कार्ड से हाईपोथिकेशन हटाना, लर्निंग लायसेंस, लायसेंस नवीनीकरण, डुप्लीकेट लायसेंस,तथा 15 दिनों का अस्थाई परमिट का काम। लेकिन इनमें से ज्यादातर कामों को वे ही कर पाते हैं जो इंटरनेट फ्रेंडली हों। वरना ऑनलाइन सेवा केंद्रों पर पैसा खर्च करवाकर काम कराना पड़ता है । दूसरी स्थिति में आरटीओ के दलालों की तो कोई कमी ही नहीं हैं। नगर निगम ने आरटीओ के नए दफ्तर के सामने जो दुकाने बनाईं थी वे आरटीओ के दलालों ने ही खरीद ली हैं या फिर किराए पर ले रखी हैं। भाजपा दफ्तर के पास से आरटीओ दफ्तर हटे सालों हो चुके हैं लेकिन जिन्हें कोकटा तक जाने से बचना है उनके लिए आरटीओ के दलाल पुराने आरटीओ दफ्तर के बाहर टेबिल लगाकर अभी भी बैठे मिलते हैं।

गैंग के सरगना की दुल्हन थाने पहुंचकर बोली

साहब, कस्टडी में ही फेरे करा दो

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

साहब, मेरी जिंदगी बर्बाद हो जाएगी। मेरी क्या गलती है? मुझे उसके जुर्म की जानकारी नहीं थी। घर में मेहमान मौजूद हैं। हल्दी से लेकर तमाम रस्में हो चुकी हैं। भोपाल के कोहेफिजा थाने पहुंची एक दुल्हन ने यह फरियाद पुलिस से की है। उसका कहना है कि होने वाले पति को 2 घंटे के लिए रिहा कर दो। नहीं तो कस्टडी में ही फेरे करा दो। हाथों में मेहंदी, चेहरे पर हल्दी और गले में माला पहने सीमा थाने में खड़ी होकर गैंगस्टर दूल्हा आकाश से मिलाने की गुहार लगाती रही। हालांकि, पुलिस ने दुल्हन की बात नहीं मानी। कोर्ट में भी उसके वकील की ओर से फेरे कराने के लिए समय मांगा गया था, लेकिन मोहलत नहीं मिली।

दरअसल, थाना क्षेत्र में सक्रिय इलीगल गैंग के सरगना आकाश उर्फ भूरा हड्डी की शादी युवती सीमा से बुधवार दोपहर को होने वाली थी। इसी दौरान पुलिस पहुंची और मंडप से उसे उठा लिया। गैंगस्टर दूल्हे के साथ उसके साथियों को भी पकड़ा गया था। आरोपियों ने मिलकर एक पुजारी को किडनैप किया था। पहली किस्त के तौर पर 50 हजार रुपए मिलने के बाद ही उसे छोड़ा था। बाकी 7 लाख रुपए 5 किस्तों में देने की बात तय की गई थी।

शादी के लिए पुजारी को किया किडनैप: पुलिस ने अब तक आकाश और उसके पांच साथियों राजमजी ठाकुर, अभिषेक उपाध्याय, अभिषेक मीणा, नीरज खानगे और अमित ओसवाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस को आरोपियों से वारदात में इस्तेमाल बाइक और फोन भी जब्त करना है, इसलिए तीन दिन की रिमांड पर लिया है। गैंगस्टर आकाश ने पुलिस को बताया कि शादी के लिए पैसों की जरूरत थी। वसूली गई रकम का कुछ हिस्सा हल्दी वाले दिन शादी में खर्च कर दिया गया था। साथी आकाश उपाध्याय ने पुजारी को किडनैप कर वसूली का आइडिया दिया था। वह पुलिस तक न पहुंचे, इसके लिए उसे रेप केस में फंसाने और एक लड़की को पुजारी तक पहुंचाने की पूरी प्लानिंग आकाश उपाध्याय ने की थी। उसे बंधक बनाकर तौफीक उर्फ शूटर के ईदगाह हिल्स मल्टी स्थित फ्लैट में रखा था। सीपी मयूर खंडेलवाल ने बताया कि 26 वर्षीय पुजारी संजीव नगर में रहता है। उसकी दोस्ती आकाश भूरा गिरोह के सदस्य आकाश उपाध्याय से थी। आकाश ने 10 मार्च 2025 को पुजारी को जैन नगर स्थित अपने कमरे पर बुलाया और कहा कि एक परिचित युवती को लालघाटी से पिक कर यहां तक ले आओ। वह उसके बताए अनुसार युवती को कमरे तक लेकर आया।

फ्लैट में बंधक बनाकर पीटा

डीसीपी ने बताया कि आरोपियों ने पुजारी को पीटते हुए कहा कि बचना है तो 8 लाख रुपए दो। इसके बाद आरोपी जबरन उसे बाइक पर बैठाकर ले गए। वाजपेयी नगर की एक मल्टी में स्थित तौफीक के फ्लैट में पुजारी को बंधक बनाकर पीटा गया। आरोपियों ने उसके भाई को कॉल कर भाई को बचाने के एवज में 50 हजार रुपए ऑनलाइन वसूले और बाकी साढ़े सात लाख रुपए पांच किस्तों में देने के लिए कहा था। बात नहीं मानने पर लड़की को थाने भेजकर रेप केस दर्ज कराने की धमकी दी गई। 50 हजार रुपए वसूलने के बाद आरोपियों ने फरियादी को छोड़ दिया। इसके बाद 11 मार्च को पीड़ित थाने पहुंचा और एफआईआर दर्ज करा दी।

टेलीग्राम पर डॉलर दिलाने का झांसा 1.36 लाख रुपए की साइबर ठगी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

टेलीग्राम पर सस्ते दाम में डॉलर दिलाने का झांसा देकर बदमाशों ने एक युवती से 1 लाख 36 हजार रुपए ठग लिए। पुलिस के मुताबिक भोपाल अपार्टमेंट, जहांगीराबाद निवासी सना युसुफ की शिकायत पर साइबर ठगी का मामला दर्ज किया गया है। सना को टेलीग्राम के एक बीटीसी माइनिंग ग्रुप में 91 रुपए प्रति डॉलर के हिसाब से डॉलर देने का विज्ञापन मिला था। ग्रुप में खुद को राज बताने वाले व्यक्ति ने व्हाट्सएप पर बातचीत कर अपने साथी विवान का नंबर दिया। आरोपियों ने 1005 डॉलर देने के नाम पर पहले 1 लाख और बाद में 36 हजार रुपए अलग-अलग यूपीआई आईडी पर ट्रांसफर करा लिए। पैसे मिलने के बाद आरोपियों ने फोन बंद कर लिया। शाहजहांनाबाद निवासी आरिफ खान (40) ने 6 मार्च को साइबर ठगी की शिकायत की थी। आरिफ खान ने पुलिस को बताया कि 5 मार्च को उनके बैंक खातों से फोनपे के माध्यम से धोखाधड़ी कर 1.45 लाख रुपए निकाल लिए गए।

कर्मश्री संस्था के आयोजन में डॉ. कुमार विश्वास होंगे शामिल

हिंदू नववर्ष पर 18 मार्च को भोपाल में अभा कवि सम्मेलन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हिंदू नववर्ष के अवसर पर संस्था कर्मश्री द्वारा 18 मार्च को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। आयोजन के 25वें वर्ष में देश के ख्यात कवि डॉ. कुमार विश्वास कवि सम्मेलन के आकर्षण होंगे।

अटल पथ स्थित तात्या टोपे स्टेडियम मार्ग पर भव्य काव्य मंच सजाया कर्मश्री के अध्यक्ष और विधायक

रामेश्वर शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम पिछले कई वर्षों से भोपाल की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है और प्रदेश का सबसे भव्य सांस्कृतिक आयोजनों में से एक माना जाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष के कवि सम्मेलन में देशभर के प्रसिद्ध और नामचीन कवि भाग लेंगे, जिनमें प्रख्यात कवि कुमार विश्वास भी शामिल रहेंगे। कार्यक्रम में हास्य, व्यंग्य, श्रृंगार और देशभक्ति से ओतप्रोत कविताओं की प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे श्रोताओं को एक यादगार सांस्कृतिक संध्या का अनुभव मिलेगा। इसके पहले उन्होंने हिंदू नववर्ष को भारतीय संस्कृति, परंपरा और उत्सव का प्रतीक बताया है। कवि सम्मेलन के आयोजन के अगले दिन नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत् 2083, 19 मार्च 2026 को आयोजन स्थल अटल पथ, तात्या टोपे स्टेडियम मार्ग, टीटी नगर पर ही संध्याकाल में नववर्ष पर भव्य आतिशबाजी का कार्यक्रम भी रखा गया है। इस अवसर पर आयोजक संस्था ''कर्मश्री'' के अध्यक्ष रामेश्वर शर्मा संस्था के सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ मिलकर आतिशबाजी जलाएंगे और नववर्ष का उत्सव मनाएंगे।

'सक्षम' के सहयोग से 125 दिव्यांगों को मिलेगी मोटराइज्ड स्कूटी

शिविर लगाकर किया गया चिन्हाकन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सक्षम संस्था के माध्यम से मध्यप्रदेश के 125 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड स्कूटी जल्द ही प्रदान की जायेंगी। एल्टीअस इंफ्रा कम्पनी के सीएसआर फंड से यह बैटरी चलित स्कूटी अगले महीने वितरित होंगी। सक्षम ने आज स्टेट रिसोर्स सेंटर में दिव्यांगजनों के लिए चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जिसमें 100 दिव्यांगजन शामिल हुए। शिविर का शुभारंभ दिव्यांगजन आयुक्त डॉ अजय खेमरिया एवं संयुक्त संचालक सुचिता तिर्की ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। सक्षम के प्रदेश सचिव रवि कोपरगांवकर ने बताया कि सक्षम के माध्यम से देश भर में जापानी तकनीकी से निर्मित मोटराइज्ड व्हीकल का वितरण एल्टीअस इंफ्रा के माध्यम से किया जा रहा है। इससे पूर्व मप्र के 356 दिव्यांगों को यह व्हीकल दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि एक व्हीकल की वितरण लागत करीब डेढ़ लाख रुपये है। इसके माध्यम से दिव्यांग अपने लिए रोजगार के अवसर भी तलाश रहे हैं। दो दर्जन दिव्यांग डिलीवरी वाय के रूप में इन व्हीकल से काम कर रहे हैं। शिविर में सक्षम के विश्वजीत सरमंडल रवि विभूते,प्रीति तांबे, पुर्णिमा नायडू,ए पी नायडू, संजय पदवाड, वीरेन्द्र दांगी, प्रदीप पाढरी पांडे,राजेश शुक्ला,उपसंचालक राजेन्द्र खरे, शिवकुमार शर्मा,अनिल गौर समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मैपकास्ट में तकनीकी उद्यमिता विकास कार्यक्रम

युवाओं में नवाचार एवं स्टार्ट-अप संस्कृति हो रही लोकप्रिय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और समय का प्रभावी प्रबंधन अत्यंत

आवश्यक है। किसी भी विचार को वास्तविकता में बदलने के लिए 'आई कैन' की भावना सबसे महत्वपूर्ण होती है। यह बात मैपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कही। उन्होंने बताया कि परिषद विज्ञान एवं नवाचार के लगभग 18 क्षेत्रों जैसे कृषि, वेटनरी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग एवं आईटी में तकनीकी परामर्श, संस्थागत सहयोग, प्रशिक्षण तथा वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है। साथ ही परिषद युवाओं को उद्योगों और संस्थानों से जोड़ने का भी कार्य कर रही है, जिससे उनके नवाचारों को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिल सके। डॉ. कोठारी मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा एआई आधारित तकनीकी उद्यमिता विकास कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। छह सप्ताह तक संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जनरेटिव एआई टूल्स और उद्यमिता कौशल से संबंधित व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में नवाचार, तकनीकी दक्षता और उद्यमशील सोच का विकास करते हुए उन्हें स्टार्ट-अप एवं स्व-रोजगार के लिए प्रेरित करना रहा। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को इंटरएक्टिव डिजिटल टूल्स, ग्राफिक्स और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसी आधुनिक तकनीकों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम प्रदेश में एआई आधारित स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने, युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में नए अवसर सृजित करने की एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

युग परिवर्तनकारी शिक्षाओं पर विचार गोष्ठी

भगवान ऋषभदेव संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

चंदा प्रभु जैन मंदिर मंगलवारा में प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जन्म कल्याणक के पावन अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी का मुख्य विषय भगवान ऋषभदेव मानवीय जीवन प्रबंधन एवं वैश्विक कल्याण रहा। उपरोक्त कार्यक्रम में आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य मुनि विमल सागर एवं मुनि अनंत सागर उपस्थित रहे कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें जैन समाज के साथ-साथ बड़ी संख्या में सनातन धर्मावलंबियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेकर भगवान ऋषभदेव के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा व्यक्त की।

विचार गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी शशि भाई सेठ ने अपने सारगर्भित संबोधन में कहा कि, भगवान ऋषभदेव केवल जैन धर्म के तीर्थंकर ही नहीं, अपितु संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक हैं। उनकी 96 हजार रानियां होने के बावजूद उन्होंने अनासक्त भाव से जीवन जीने और एक उत्कृष्ट शासन व्यवस्था का उदाहरण संसार के सम्मुख रखा। उन्होंने समाज को व्यवस्थित रूप से जीने की कला और कुशल प्रशासन के सिद्धांतों से परिचित कराया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित आईजी मलय जैन ने भगवान ऋषभदेव के ऐतिहासिक और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब कल्पवृक्षों का प्रभाव कम होने लगा और मानव सभ्यता संकट में थी, तब भगवान ऋषभदेव प्रथम आदि पुरुष के रूप में अवतरित हुए। उन्होंने ही मनुष्य को असि, मसि और कृषि का ज्ञान देकर आत्मनिर्भर बनाया। खेती करना सिखाना और समाज को संगठित कर शासन प्रबंधन की शिक्षा देना उनकी दूरदर्शिता का प्रमाण है।

जीवन जीने की कला का प्रथम पाठ: कार्यक्रम का स्वागत भाषण दिगंबर जैन महासभा के अध्यक्ष संजय जैन मुंगावली ने दिया। उन्होंने भगवान ऋषभदेव के कृतित्व को नमन करते हुए कहा कि, भगवान ऋषभदेव ने ही इस युग में जीवन जीने की कला सिखाई। उन्होंने तलवार (असि), लेखन (मसि) और खेती (कृषि) के माध्यम से सुरक्षा, ज्ञान और उदर पूर्ति के साधन प्रदान किए। वे पहले योग पुरुष थे, जिनकी शिक्षाएं आज के आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं।

मेट्रो एंकर

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में एआई सम्मेलन आयोजित

'एआई रथ' के माध्यम से विद्यार्थियों व युवाओं को दे रहे प्रशिक्षण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का शुभारंभ स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में किया गया। उद्घाटन सत्र में आईसेक्ट समूह के चेयरमैन एवं रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे और आरएनटीयू के कुलगुरु डॉ. आरपी दुबे उपस्थित रहे। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु के प्रोफेसर डॉ. सुरेश सुंदरम और सिंगापुर की ए-स्टार्स इंस्टीट्यूट फॉर इंफोकॉम रिसर्च की प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. सविथा रामास्वामी ने एआई के नवीनतम शोध और तकनीकी विकास पर विचार साझा किए। यह दो दिवसीय सम्मेलन 'नवोन्मेष 2026' के तहत आयोजित किया गया है, जिसमें देश-विदेश के वैज्ञानिक, शोधार्थी और विशेषज्ञ एआई के विविध आयामों पर अपने विचार साझा किया। इस अवसरपर संतोष चौबे ने कहा कि एआई अब केवल भविष्य की तकनीक नहीं, बल्कि वर्तमान का सशक्त उपकरण बन चुकी है। विश्वविद्यालय ने एआई मिशन की स्थापना की है, जिसके तहत फैकल्टी और छात्रों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। 'एआई रथ' के माध्यम से जिला स्तर पर विद्यार्थियों और युवाओं को एआई से जुड़े प्रशिक्षण भी दिए जा रहे हैं। उद्देश्य यह है कि अगले तीन वर्षों में एक करोड़ युवाओं को एआई लिटरेसी मिशन के तहत प्रशिक्षित किया जाए। चौबे ने यह भी कहा कि एआई का उपयोग मानव क्षमता बढ़ाने के लिए होना चाहिए, न कि उस पर नियंत्रण के लिए, इसलिए जिम्मेदार और संतुलित एआई उपयोग पर विशेष जोर दिया जाएगा।

ख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ नई दिल्ली के कृषि भवन में हुई बैठक में सहभागिता की।

19 से शुरू होगा प्रदेश व्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान, सीएम बोले

जल संरक्षण के लिए करें नवाचार जल स्त्रोतों की सुरक्षा के हों प्रबंध

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के माध्यम से प्रदेश की जल-संस्कृति को पुनर्जीवित करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है कि जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की वह महती आवश्यकता है जिसे हमें भावी पीढ़ियों को उपलब्ध कराने के लिये सहेजकर रखना है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि इस अभियान में जल संरक्षण की पारंपरिक पद्धतियों के साथ नवीन तकनीकी नवाचारों को अपनाया जाए और प्रदेश के प्रत्येक जल स्रोत की सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि इस वर्ष ÷वर्षा जल की एक-एक बूंद का संचयन और संरक्षण÷ ही हमारा परम ध्येय होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 19 मार्च से पूरे प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरूआत होगी।

जन-भागीदारी से बनेगा जन आंदोलन- सीएम ने अपील की है कि जल गंगा संवर्धन अभियान से जन-जन को जोड़कर एक जन-आंदोलन का रूप दिया जाए। उन्होंने समाज के हर वर्ग, स्वयंसेवी संस्थाओं और युवाओं से इस पुनीत कार्य में आगे बढ़कर श्रमदान करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि जब समाज का हर व्यक्ति जल संरचनाओं की सुरक्षा का प्रहरी बनेगा, तभी हम परम वैभवशाली और जल-समृद्ध मध्यप्रदेश के स्वप्न को साकार कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अभियान में प्रत्येक जिले में जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता सुनिश्चित की जाए और जल गुणवत्ता परीक्षण के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

भविष्य की चुनौतियों का समाधानः जल-समृद्ध मध्यप्रदेश

सीएम ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों के बीच जल-सुरक्षा ही विकास का मूल मंत्र है। जल गंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश जल संरचनाओं की नदियों, तालाबों, बावड़ियों और कुओं का पुनरुद्धार एक मिशन मोड में किया जायेगा।

अभियान की प्रमुख गतिविधियां

- जल संरचनाओं का कायाकल्प।
- नवीन जल स्त्रोतों का निर्माण।
- भू-जल स्तर बढ़ाने भवनों पर रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग।
- पुराने जल स्त्रोतों का संधारण।
- जल स्त्रोतों के पास साफ-सफाई।
- सोक पिट का निर्माण।
- पेयजल की टेस्टिंग और टंकियों की सफाई।
- पुराने तालाबों का गहरीकरण।
- स्टॉप डेम का संधारण एवं नवीन निर्माण।
- पेयजल पाइप लाइनों का संधारण।
- जल स्त्रोतों के पास वृहद पौध-रोपण।
- जल संरक्षण के लिए जन-भागीदारी बढ़ाना।

दस्तावेज पंजीयन में सुविधा

इंदौर में 533 लोकेशनों को किया जाएगा मर्ज

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर जिले में वर्तमान में 4840 लोकेशनों पर दस्तावेज का पंजीयन हो रहा है और आगामी गाइडलाइन में इनकी संख्या को कम करने की कवायद की जा रही है। इसके लिए आसपास की 533 लोकेशनों को मर्ज कर एक बनाया जाएगा। इनमें तीन से चार कॉलोनियों की एक लोकेशन बनेगी। इससे जिले में करीब 350 लोकेशन कम हो जाएगी। रजिस्ट्री में सुविधा के लिए पंजीयन विभाग लोकेशनों की संख्या सीमित कर रहा है, ताकि ऑनलाइन दरें उठाने के दौरान राजस्व का नुकसान नहीं हो। अभी अलग-अलग लोकेशन होने से कई बार पास की कॉलोनी की लोकेशन पर दस्तावेज पंजीकृत हो जाते हैं। इससे बाद में परेशानी होती है और कई बार राजस्व भी कम मिलता है। संपदा 2.0 पर रजिस्ट्री के दौरान लोकेशन ऑनलाइन अपलोड होती है, ऐसे में एक ही क्षेत्र की दरें अलग-अलग होने से परेशानी होती है। इससे बचने के लिए आसपास की कॉलोनियों की अलग-अलग लोकेशनों को एक किया जा रहा है। इस बार पंजीयन विभाग करीब 533 लोकेशन को मर्ज करेगा। तीन से चार कॉलोनियां जोड़कर एक लोकेशन बनाई जाएगी और औसत अनुसार एक दर तय होगी। वरिष्ठ पंजीयक अमरेश नायडू का कहना है कि इस बार भी बड़ी संख्या में लोकेशनों को मर्ज किया जा रहा है।

10 से 170 प्रतिशत बढ़ोतरी

2026-27 के लिए तैयार प्रारंभिक प्रस्ताव के अनुसार जिले में तीन हजार लोकेशनों पर कलेक्टर गाइडलाइन बढ़ सकती है। इन कॉलोनियों में 10 से 170 प्रतिशत गाइडलाइन बढ़ोतरी की योजना है। सबसे अधिक बढ़ोतरी शहर के बाहरी क्षेत्रों और प्रमुख मार्गों के आसपास प्रस्तावित है। इंदौर के आसपास तैयार हो रही सड़कों से प्रभावित होने वाले गांवों की बीते साल गाइडलाइन 200 प्रतिशत तक बढ़ाई गई थी। इस बार ग्रीन फील्ड सड़क से प्रभावित 20 गांवों की गाइडलाइन में बढ़ोतरी की जाएगी।

आयुष्मान योजना में धोखाधड़ी करने वाले 2 डॉक्टरों पर गिरी गाज

भोपाल। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी आयुष्मान भारत योजना में सूचीबद्ध अस्पतालों में प्रस्तुत किए गए क्लेमों की नियमित समीक्षा की जा रही है। थर्ड पार्टी ऑडिट एजेंसी के माध्यम से लाइफ मेडिसिटी हॉस्पिटल, जबलपुर और ब्रह्मानी हॉस्पिटल, ग्वालियर के क्लेमों के परीक्षण में अनियमितता पाये जाने पर संबंधित अस्पतालों के विरूद्ध योजना में निलंबन की कार्रवाई की है। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी को जांच में संबंधित चिकित्सालयों की पूर्व में प्राप्त शिकायतों एवं पूर्व कार्रवाई का अवलोकन करने पर आयुष्मान योजना में गंभीर वित्तीय एवं प्रक्रियागत अनियमितताएं, मरीजों को गलत श्रेणी में भर्ती करना, मरीजों को गंभीर दर्शाकर अनावश्यक आर्थिक लाभ प्राप्त करना, गलत पैकेज एवं क्लेम प्रस्तुत करना तथा धोखाधड़ी के मामले संज्ञान में आए हैं। उक्त गतिविधियों पर संज्ञान लेते हुए राज्य स्वास्थ्य एजेंसी ने अनियमितताओं की पुनरावृत्ति को देखते हुए दोनों चिकित्सालयों को तत्काल प्रभाव से आयुष्मान योजना से निलंबित कर दिया है। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी आयुष्मान योजना के हितग्राहियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इटारसी के किसान की अनोखी अपील

7 तरह के अनाज से बनाई डॉल्फिन कला के जरिए दिया शांति का संदेश

इटारसी, दोपहर मेट्रो

ग्राम सुपरली के किसान योगेंद्र पाल सिंह सोलंकी ने सात प्रकार के अनाज से डॉल्फिन मछली की आकर्षक कलाकृति बनाकर विश्व में चल रहे युद्ध को रोकने की अपील की है। उनकी इस अनोखी पहल का उद्देश्य यह संदेश देना है कि युद्ध का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जलजीवों और प्रकृति के अन्य जीव-जंतुओं पर भी पड़ता है।

किसान सोलंकी ने डॉल्फिन की प्रतीकात्मक आकृति के माध्यम से अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि युद्ध के कारण जल, थल और नभ के सभी जीव प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने संदेश दिया कि मानवता के हित में दुनिया में शांति स्थापित होना बेहद जरूरी है। सोलंकी ने बताया कि इस कलाकृति में केवल डॉल्फिन ही नहीं, बल्कि युद्ध से जुड़े विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों के चित्र भी अनाज से बनाए गए हैं। इनमें अमेरिका के डोनाल्ड ट्रंप, इज़राइल के बेंजामिन नेतन्याहू, ईरान के मोजतावा खामेनई, फिलिस्तीन के महमूद अब्बास, यमन के रशद अल अलमिन, कुवैत के अहमद अल अब्दुल्ला अल अहमद अल सुबह, बहरीन के हमाद बिन ईसा अल खलीफा और यूएई के मोहम्मद बिन जायद अल नहयान के चित्र शामिल हैं।

इन चीजों से किया गया तैयार

इन चित्रों को तैयार करने के लिए धान, बाजरा, रागी, चावल, तिल, राजगीरा और खसखस जैसे विभिन्न प्रकार के अनाजों का उपयोग किया गया है। किसान सोलंकी का कहना है कि युद्ध का असर कृषि और अनाज उत्पादन पर भी पड़ता है, इसलिए दुनिया में शांति और सौहार्द बनाए रखना बेहद आवश्यक है। उनकी यह पहल कला के माध्यम से शांति का संदेश देने के साथ यह भी बताती है कि युद्ध का प्रभाव केवल इंसानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी प्रकृति और जीव-जंतुओं पर पड़ता है।

भविष्य की खामोश चुनौती

लंबे समय तक भारत की सबसे बड़ी चिंता बढ़ती जनसंख्या रही। योजनाएं बनीं, अभियान चले और लोगों को कम बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित किया गया। लेकिन अब परिदृश्य बदल रहा है। वही देश आज धीरे- धीरे एक नई समस्या की ओर बढ़ रहा है- घटती प्रजनन दर और तेजी से बूढ़ी होती आबादी। जनसंख्या विशेषज्ञों का अनुमान है कि वर्ष 2050 तक भारत में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या कुल आबादी का लगभग पांचवां हिस्सा हो सकती है। इसका सीधा अर्थ है कि हर पांच में से एक भारतीय बुजुर्ग होगा। आजादी के 100 वर्ष पूरे होने तक हालात ऐसे भी हो सकते हैं कि देश में बच्चों की संख्या बुजुर्गों से कम हो जाए। यदि ऐसा हुआ तो इसका असर अर्थव्यवस्था, श्रमशक्ति और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था पर गहरा पड़ेगा। किसी भी देश में आबादी को संतुलित बनाए रखने के लिए कुल प्रजनन दर लगभग 2.1 मानी जाती है। यानी औसतन एक महिला को दो से थोड़ा अधिक बच्चों को जन्म देना चाहिए। भारत में यह दर अब घटकर करीब 1.9 से 2.0 के बीच रह गई है। आंकड़े बताते हैं कि कई राज्यों में यह इससे भी नीचे पहुंच चुकी है। सबसे गंभीर स्थिति सिक्किम की मानी जा रही है। वहां जन्मदर इतनी तेजी से गिरी है कि औसतन एक महिला मुश्किल से एक बच्चे को जन्म दे रही है। दो दशक पहले जो दर लगभग दो के आसपास थी, वह अब घटकर लगभग 1.1 तक पहुंच गई है। यह स्थिति कई विकसित देशों से भी अधिक चिंताजनक मानी जा रही है। इस चुनौती से निपटने के लिए सिक्किम सरकार ने कई प्रयोग भी किए। 2022 में शुरू की गई वात्सल्य योजना के तहत उन दंपतियों को आर्थिक सहायता दी जाने लगी जिन्हें गर्भधारण में परेशानी होती है। महंगे आईवीएफ उपचार के लिए लाखों रुपये तक की मदद देने का प्रावधान किया गया। इसके अलावा सरकारी कर्मचारियों को अधिक बच्चे होने पर वेतन वृद्धि, लंबी मातृत्व अवकाश, पितृत्व अवकाश और बच्चों की देखभाल के लिए अतिरिक्त सुविधाएं दी गईं। निजी क्षेत्र की महिलाओं के लिए भी आर्थिक प्रोत्साहन की व्यवस्था की गई। लेकिन इन प्रयासों के बावजूद जन्मदर में खास बदलाव नहीं दिखा। यही कारण है कि अब शोध संस्थानों की मदद से यह समझने की कोशिश हो रही है कि आखिर समाज में यह बदलाव क्यों आ रहा है। यदि समय रहते इस पर गंभीर नीति-स्तरीय चर्चा नहीं हुई, तो भविष्य में भारत को एक ऐसे समाज का सामना करना पड़ सकता है जहां युवा कम और बुजुर्ग ज्यादा होंगे। यही वह चेतावनी है जिसे अभी समझना जरूरी है।

वैक्सीन, जिम्मेदारी और न्याय : सुप्रीम कोर्ट का मुआवजा नीति पर महत्वपूर्ण संकेत

रोहित पारीक
स्तंभकार

कोविड-19 महामारी ने दुनिया को यह सिखाया कि एक सूक्ष्म वायरस भी पूरी मानव सभ्यता को चुनौती दे सकता है। साल 2020 में जब यह वायरस तेजी से फैला, तो अस्पतालों में मरीजों की भीड़, खाली पड़ी सड़कें और भय का माहौल पूरी दुनिया में दिखाई दिया। ऐसे समय में विज्ञान ने उम्मीद की किरण के रूप में कोविड वैक्सीन विकसित की, जिसने करोड़ों लोगों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई।

वैक्सीन अभियान मानव इतिहास के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में से एक था। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में अरबों खुराकें दी गईं और इससे संक्रमण व मृत्यु दर को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सका। हालांकि चिकित्सा विज्ञान यह भी मानता है कि किसी भी दवा या टीके के साथ बेहद दुर्लभ मामलों में दुष्प्रभाव की संभावना पूरी तरह समाप्त नहीं होती। इसी संदर्भ में यह सवाल उठता रहा है कि यदि किसी सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत लगाए गए टीके से किसी व्यक्ति को गंभीर नुकसान हो जाए, तो उसकी जिम्मेदारी कौन उठाएगा।

इसी मुद्दे पर हाल ही में उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। 10 मार्च 2026 को सुप्रीम कोर्ट की पीठ न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि कोविड वैक्सीन से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों में 'नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी' बनाने की संभावना पर विचार किया जाए। इस प्रकार की नीति का अर्थ यह होता है कि प्रभावित व्यक्ति को मुआवजा पाने के लिए यह साबित नहीं करना होगा कि सरकार, वैक्सीन निर्माता कंपनी या डॉक्टर की गलती थी। केवल यह देखा जाएगा कि नुकसान वास्तव में वैक्सीन से जुड़ा है या नहीं। यदि वैज्ञानिक जांच में यह संबंध स्थापित होता है, तो पीड़ित को राहत दी जा सकती है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने यह भी मांग की थी कि कोविड वैक्सीन के दुष्प्रभावों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक नई विशेषज्ञ समिति बनाई जाए। हालांकि अदालत ने इस मांग को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि भारत में पहले से एडवर्स इवेंट फॉलोविंग इम्युनाइजेशन नामक वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली मौजूद है, जो टीकों से जुड़े संभावित दुष्प्रभावों की जांच करती है। इसलिए अलग से नया विशेषज्ञ पैनल बनाने की आवश्यकता नहीं है।

अदालत का मानना है कि मौजूदा वैज्ञानिक व्यवस्था पर्याप्त है और उसी के आधार पर मामलों की जांच की जानी चाहिए। साथ ही अदालत ने यह भी संकेत दिया कि यदि सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत बहुत बड़े स्तर पर टीकाकरण किया जाता है, तो उससे जुड़े दुर्लभ जोखिमों के लिए राहत व्यवस्था पर भी विचार होना चाहिए। दरअसल, दुनिया के कई देशों में पहले से ही वैक्सीन से होने वाले दुर्लभ नुकसान के मामलों के लिए मुआवजा योजनाएं लागू हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लाभ के साथ-साथ संभावित जोखिमों की जिम्मेदारी भी संस्थागत रूप से स्वीकार की जाए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी केवल कोविड वैक्सीन से जुड़े विवाद तक सीमित नहीं है। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति के एक महत्वपूर्ण सिद्धांत की ओर इशारा करती है कि जब राज्य बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य अभियान लागू करता है, तो नागरिकों के भरोसे और सुरक्षा दोनों की जिम्मेदारी भी उसी पर होती है।

कोविड महामारी ने यह स्पष्ट किया कि विज्ञान, समाज और शासन के बीच विश्वास का रिश्ता कितना महत्वपूर्ण है। वैक्सीन ने करोड़ों लोगों को सुरक्षा दी, लेकिन न्याय व्यवस्था यह सुनिश्चित करना चाहती है कि यदि उस सुरक्षा कवच में कहीं दुर्लभ दरार भी रह जाए, तो उससे प्रभावित व्यक्ति को उचित सहारा मिल सके। इसी दृष्टि से सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश केवल एक कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

बदलते नेपाल का नया अध्याय : बालेन शाह का उभार और भारत के लिए कूटनीतिक संदेश

दिलीप कुमार पाठक
पत्रकार

नेपाल की राजनीति आज एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है, जहाँ पुरानी पीढ़ी का सूर्यास्त और एक नई, तकनीक-प्रेमी युवा पीढ़ी का उदय साफ देखा जा सकता है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह यानी बालेन शाह का जिस तरह से पूरे नेपाल में प्रभाव बढ़ा है, उसने न केवल वहां के पारंपरिक राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी है, बल्कि दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है। नेपाल की जनता, विशेषकर युवा वर्ग, अब शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और प्रचंड जैसे पुराने चेहरों के सिंडिकेट राज से ऊब चुका है। बालेन शाह की बढ़ती लोकप्रियता केवल एक व्यक्ति की जीत नहीं है, बल्कि यह नेपाल की उस व्यवस्था के खिलाफ एक जनाक्रोश है, जो दशकों से भ्रष्टाचार और अस्थिरता की शिकार रही है।

इस बदलाव की पृष्ठभूमि में पिछले कुछ समय से चल रहे जन-आंदोलन और सोशल मीडिया की ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नेपाल का युवा अब रोजगार, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और पारदर्शी प्रशासन चाहता है। बालेन शाह ने मेयर के रूप में जिस तरह से काठमांडू की सड़कों, कचरा प्रबंधन और अतिक्रमण पर काम किया, उसने उन्हें एक मैजिक मैन की छवि दे दी है। वे पेशे से स्ट्रक्चरल इंजीनियर हैं और उनका गवर्नेंस मॉडल जज्बातों से ज्यादा आंकड़ों और समाधान पर आधारित है। यही कारण है कि आज नेपाल के गांव-गांव में उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी का आधार मजबूत हो रहा है। जानकारों का मानना है कि आने वाले समय में यदि वे देश की कमान संभालते हैं, तो नेपाल की आंतरिक और विदेश नीति में आमूल-चूल परिवर्तन देखने को मिलेंगे। बालेन शाह के विजन का एक बड़ा हिस्सा नेपाल को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और खाड़ी देशों में हो रहे युवाओं के भारी पलायन को रोकना है। वे अक्सर अपनी तकरीरों में नेपाल की जल-विद्युत क्षमता और पर्यटन को भारतीय बाजार से जोड़ने की बात करते हैं, लेकिन एक समान साझेदार की शर्त पर। भारत के लिए यह एक रणनीतिक चुनौती है कि वह नेपाल की इस नई आर्थिक महत्वाकांक्षा को अपने नेबरहुड फर्स्ट विजन में कैसे फिट करता है। यदि बालेन शाह सत्ता के शीर्ष पर पहुँचते हैं, तो सीमा सुरक्षा और आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भारत को एक ऐसा साथी मिल सकता है जो तकनीकी निगरानी और आधुनिक प्रबंधन में विश्वास रखता है। नेपाल का नया नेतृत्व अब केवल सहायता नहीं, बल्कि सार्थक निवेश और तकनीकी हस्तांतरण की मांग कर रहा है, जो भारत के लिए अपनी कूटनीतिक शैली बदलने का संकेत है। भारत के लिए नेपाल का यह नया नेतृत्व एक पहेली जैसा है। बालेन शाह की छवि एक प्रखर और कभी-कभी आक्रामक राष्ट्रवादी की रही है। उन्होंने मेयर रहते हुए काठमांडू में भारतीय फिल्मों पर प्रतिबंध लगाने जैसा कड़ा फैसला लिया था और अपने दफ्तर में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगाकर अपनी राजनीतिक लकीर खींच दी थी। उनकी नीति स्पष्ट रूप से नेपाल फर्स्ट की है, जिसका मतलब है कि वे किसी भी पड़ोसी देश के प्रभाव में दबकर काम नहीं करेंगे। ऐसे में नई दिल्ली को अब एक ऐसे नेतृत्व से संवाद करना होगा जो पुरानी कूटनीतिक मर्यादाओं के बजाय सीधे और बेबाक फैसलों में यकीन रखता है। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह बालेन शाह के राष्ट्रवाद को किस तरह एक रचनात्मक सहयोग में बदलता है, हालांकि, इस सिक्के का एक दूसरा और सकारात्मक पहलू भी है। बालेन शाह ने अपनी उच्च शिक्षा भारत से पूरी की है। वे भारतीय समाज की बारीकियों, यहाँ की लोकतांत्रिक व्यवस्था और दोनों देशों के बीच के रोटी-बेटी के रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझते हैं। भारत के लिए यह एक बड़ा अवसर हो सकता है क्योंकि एक पढ़ा-लिखा और विजनरी नेतृत्व चीन के कर्ज जाल और उसकी विस्तारवादी नीतियों के खतरों को बेहतर समझता है। भारत अब नेपाल के साथ जल-विद्युत परियोजनाओं, डिजिटल कनेक्टिविटी और व्यापारिक समझौतों पर अधिक पारदर्शी और तकनीकी धरातल पर बात कर सकता है। बालेन जैसे नेता पुरानी फाइलों के बजाय डिलीवरी पर जोर देते हैं, जो भारत के निवेश के लिए एक अच्छा संकेत है।

आने वाले समय में भारत-नेपाल संबंधों की दिशा इस बात पर निर्भर करेगी कि नई दिल्ली इस बदलाव को कितनी संजीदगी से लेती है। भारत को अब अपनी बिग ब्रदर वाली पुरानी छवि को पीछे छोड़कर नेपाल के इस नए और स्वाभिमानी नेतृत्व के साथ एक समान साझेदार की तरह पेश आना होगा। खुली सीमा के कारण होने वाली सुरक्षा चुनौतियां और सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर अब केवल आश्वासनों से काम नहीं चलेगा, बल्कि ठोस और सम्मानजनक समाधान ढूंढने होंगे। नेपाल की सड़कों पर गूंजता बालेन शाह का नाम दरअसल एक बदलते और आधुनिक नेपाल की पुकार है। भारत के पास मौका है कि वह इस नई ऊर्जा का साथी बने और हिमालयी क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि का एक नया अध्याय लिखे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

क़दर करना सीख लीजिए,
ना ज़िंदगी वापस आती है,
ना ज़िंदगी में आए हुए लोग।
कई बार तबीयत दवा लेने से नहीं,
हाल पूछने से भी ठीक हो जातीहै।
-अज्ञात

निशाना

संपर्क में तो बहुत से आये

अशेष श्रीवास्तव

संपर्क में तो बहुत से आये
मन का मैल नहीं धो पाये.. !
'संपर्क' में तो बहुत से आये
'संबंध' कुछ ही से बन पाये..
बातें बहुतों से कर आये
समझ मगर कुछ ही पाये..
दुकान बहुत देखने आये
खरीददार पर कुछ ही आये..
तीर्थ स्नान बहुत कर आये
मन का मैल नहीं धो पाये..
अच्छी बात खूब कर आये
अच्छे मगर नहीं बन पाये..
ऐसा लगा जब भी तुम आये
कड़कती धूप में बदरा छाये..
खुशियों के मौके कई आये
दुख ही जाने क्यों मन भाये..
पर दोषों में नज़र लगाये
अपने दोष से नज़र हटाये..
मुश्किल आना है तो आये
अपने तो ईश्वर हैं सहाये ..
उम्र बढ़े जीवन घट जाये
लोभ मोह पर बढ़ता जाये..
सबको सब कभी ना भाये
अच्छा लगे जो करता जाये..
सबकी सुने सब के मन भाये
अपनी बात मन में ही छुपाये..
सुकूँ ढूँढते जहाँ घूम आये
लौट के बुध्दू घर को आये..
अपने काम 'से 'बहुत से आये
अपने काम 'में ' तुम ही आये,

हेल्थ अलर्ट

पैरों में सूजन को नजरअंदाज न करें, दिल की गंभीर बीमारी का हो सकती है संकेत

हार्ट जब ब्लड को ठीक से पंप नहीं कर पाता, तो नसों में दबाव बढ़ता है और फ्लूइड पैरों के टखनों में जमा हो जाता है, जिससे दिल के रोगियों के पैरों में सूजन होने लगती है। यह एक गंभीर स्थिति हो सकती है और हार्ट फेलियर का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में सांस फूलना, थकान जैसे लक्षण भी दिखाई देते हैं।

दिल के रोगियों के पैरों में सूजन के कई कारण हो सकते हैं। हार्ट फेलियर पैरों में सूजन का सबसे आम कारण है, जिसमें दाहिनी ओर की विफलता के कारण पैरों में फ्लूइड जमा हो जाता है। वाल्वुलर हार्ट डिजीज एक ऐसी स्थिति है, जिसमें हृदय के चार वाल्वों- मिट्रल, एओर्टिक, ट्राइकस्पिड और पल्मोनरी में से एक या एक से अधिक वाल्व ठीक से काम नहीं करते। इससे हार्ट में ब्लड फ्लो में रुकावट आती है और शिराओं का दबाव बढ़ जाता है। इसके अलावा पल्मोनरी हाइपरटेंशन एक गंभीर स्थिति है और लगभग 70 फ़ीसदी महिलाओं को प्रभावित करती है। इसमें हार्ट के दाहिने हिस्से पर दबाव पड़ता है, जिससे पैरों में सूजन की समस्या शुरू हो जाती है। इसके अलावा पेरिपार्टम कार्डियोमायोपैथी एक गंभीर हार्ट फेलियर की स्थिति होती है जो अधिकतर गर्भावस्था के अंतिम महीने में विकसित होती है। इसमें सांस फूलना, थकान और पैरों में सूजन जैसे लक्षण हो सकते हैं। इसे अक्सर गर्भावस्था के बाद की थकान समझकर अनदेखा कर दिया जाता है। इसमें उचित उपचार जरूरी है। साथ ही एंटीहाइपरटेंसिव मेडिकेशन- हाई ब्लड प्रेशर के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कैल्शियम चैनल ब्लॉकर्स दवाएं रक्त वाहिकाओं को फैलाकर और आसपास के टिशू में फ्लूइड के रिसाव को बढ़ाती हैं, जो पेडल एडिमा (पैर और टखने में सूजन) का कारण बन सकती हैं। टखनों/पैरों में सूजन जो शाम होते-होते या खड़े होने के बाद बढ़ जाती है। सूजन वाले हिस्से में गड्ढे जैसा उभार दिखता है, सूजन वाले हिस्से को दबाने पर गड्ढा बना रहता है। 24-48 घंटों में अचानक 1-2 किलो वजन बढ़ना भी इसका संकेत हो सकता है। सांस लेने में तकलीफ, थकान और एक्सरसाइज करने की क्षमता में कमी आना। स्किन शाइनी, खिंची हुई और छूने पर गर्म महसूस होती है। रोगी पैरों में सूजन से बचने के लिए नमक का सेवन कम करें, प्रोसेस्ड और पैकेज्ड फूड से परहेज करें। रक्त संचार में सुधार के लिए एक्टिव रहें, रोजाना टहलें या योग करें। ब्लड प्रेशर और डायबिटीज को कंट्रोल में रखें, ये हार्ट फेलियर के प्रमुख कारण हैं। रेगुलर हार्ट और हेल्थ चेकअप कराएं।

पैरों में सूजन को अनदेखा न करें: पैरों में सूजन को कई लोग अनदेखा कर सकते हैं, लेकिन ऐसा करना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। पैरों में सूजन दिल की बीमारी का संकेत हो सकता है। अगर परिवार में हार्ट डिजीज का इतिहास है तो पैरों या टखनों में सूजन को नजरअंदाज न करें। अगर लंबे समय तक पैरों या टखनों में सूजन है तो हेल्थ एक्सपर्ट से इसकी जांच कराएं। लाइफस्टाइल में बदलाव करके पैरों में सूजन की समस्या से बचा जा सकता है। संतुलित भोजन, एक्टिव लाइफस्टाइल और तनाव को कंट्रोल में रखकर हार्ट हेल्थ को सुधारा जा सकता है। पैरों में सूजन है तो हेल्थ एक्सपर्ट से मिलकर अपना इलाज कराएं और लाइफस्टाइल बदलकर हार्ट हेल्थ को सुधारें।

यूजर्स गाइड

इंटरनेट की स्पीड बढ़ा सकती है सही दिशा में एडजस्ट की गई एल्युमिनियम फॉयल

वाई-फाई से इंटरनेट की स्पीड बढ़ाने के लिए आपके किचन में रखी एल्युमिनियम फॉयल काफी मददगार हो सकती है। राउटर के पास एक अलग तरह से एल्युमिनियम फॉयल शीट रखने से आप धीमे इंटरनेट कनेक्शन की समस्या को हमेशा के लिए खत्म कर सकते हैं। राउटर पर लगे एंटीना से सिग्नल आते हैं। ये सिग्नल आपके स्मार्टफोन, कंप्यूटर और इंटरनेट से जुड़े दूसरे इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ कनेक्शन बनाने के लिए रेडियो या लाइट वेव की तरह काम करते हैं और खाली जगह को कवर करने के लिए फैल जाते हैं। इससे सिग्नल कम असरदार हो सकते हैं, कनेक्शन कमजोर हो सकता है और यह आपके इंटरनेट की स्पीड को धीमा कर सकता है। इससे आपके घर के उन हिस्सों में Wi-Fi सिग्नल जाते हैं, जहां इसकी जरूरत नहीं है।

फ्लो से बेहतर होते हैं सिग्नल: राउटर के चारों ओर एल्युमिनियम फॉयल की एक घुमावदार शीट लगाकर Wi-Fi सिग्नल के फ्लो को और भी असरदार बनाया जा सकता है। एल्युमिनियम फॉयल का चमकदार हिस्सा एंटीना से आने वाली बीम को रिफ्लेक्ट करता है और उन्हें एक खास जगह पर पॉइंट करता है। आपको बस फॉयल को ऐसी दिशा में एडजस्ट करना है, जहां से सिग्नल आपके घर के उन हिस्सों की ओर जाए, जहां बेहतर इंटरनेट कनेक्शन की जरूरत हो।

रिसर्च में हुआ खुलासा: एक रिपोर्ट के अनुसार, डार्टमाउथ कॉलेज के रिसर्चर का कहना है कि उनके द्वारा बनाया गया एल्युमिनियम फॉयल का 3D-प्रिंटेड आकार कुछ जगहों पर वायरलेस सिग्नल को 55.1% तक बढ़ा सकता था और उन जगहों पर उन्हें 63.3% तक कम कर सकता था, जहां Wi-Fi की जरूरत नहीं थी। इस 3ड प्रिंटेड को उन्होंने वाई-फाई राउटर के पास ऐसे रखा था कि वह ठीक काम करे।

अगला स्टेप: फॉयल को राउटर के पीछे रखें, जिसका मुड़ा हुआ हिस्सा राउटर और उस तरफ हो, जहां आप सिग्नल बढ़ाना चाहते हैं। आपको नीचे का हिस्सा मोड़ना पड़ सकता है ताकि एल्युमिनियम फॉयल सीधा खड़ा हो सके। फिर इस जगह जाएं, जिस तरफ उसका मुहं किया था। अपने फोन या कंप्यूटर ब्राउजर के सर्च बार में 'Google speed test' डालें और 'run speed test' पर क्लिक कर दें। यह टेस्ट आपके इंटरनेट कनेक्शन की अपलोड और डाउनलोड स्पीड दोनों स्पीड बता देगा।

कैसे लगाएं एल्युमिनियम फॉयल?: इस हैक का इस्तेमाल करना बहुत आसान है। एल्युमिनियम फॉयल का एक रोल लें और एक शीट को लगभग एक फुट लंबा और अपने Wi-Fi राउटर की ऊंचाई के बराबर काट लें। अगर आपके राउटर में ऊपर से एक फिजिकल एंटीना निकला हुआ है, तो फॉयल उसके कुछ इंच ऊपर तक रहनी चाहिए। यदि आपके राउटर का एंटीना अंदर है तो आपको फॉयल का साइज उतना ही रखना है, जितना ऊंचा एंटीना है।

नॉलेज

बिना सूरज के भी जीवन संभव ! वैज्ञानिकों ने खोजे अरबों साल तक रहने लायक एक्सोमून

पृथ्वी पर सूर्य जीवन देता है। इसके बिना यहां जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती. लेकिन नई रिसर्च के अनुसार, जीवन के लिए जरूरी हालात केवल सूरज के आसपास ही नहीं बनते। कुछ खास परिस्थितियों में सूरज से बहुत दूर मौजूद चंद्रमा भी अरबों साल तक रहने योग्य रह सकते हैं। जर्मनी की एलएमयू यूनिवर्सिटी और मैक्स प्लांक इंस्टिट्यूट के वैज्ञानिकों ने पाया कि फ्री फ्लोटिंग प्लेनेट्स के आसपास घूमने वाले एक्सोमून पर घना हाइड्रोजन एटमोस्फियर और टाइडल हीटिंग मिलकर महासागरों को तरल बनाए रख सकते हैं। स्टडी के अनुसार यह प्रक्रिया लगभग 4.3 अरब साल तक जारी रह सकती है। यह समय पृथ्वी के इतिहास के बराबर है। इससे संकेत मिलता है कि जीवन के विकास के लिए जरूरी समय ऐसे चंद्रमाओं पर भी मिल सकता है।

ग्रहों का निर्माण अक्सर अस्थिर परिस्थितियों में होता है। युवा ग्रह एक दूसरे के बहुत करीब आ सकते हैं। इस टकराव जैसी स्थिति में कुछ ग्रह अपनी कक्षा से बाहर फेंक दिए जाते हैं। ऐसे ग्रह किसी भी तारे के चारों ओर नहीं घूमते. इन्हें फ्री फ्लोटिंग प्लेनेट कहा जाता है। ये ग्रह पूरी गैलेक्सी में भटकते रहते हैं। पहले माना जाता था कि जब कोई गैस जायंट ग्रह अपनी कक्षा से बाहर फेंका जाता है तो उसके चंद्रमा भी उससे अलग हो जाते हैं। लेकिन हाल की स्टडी बताती है कि कई बार ग्रह अपने चंद्रमाओं को साथ लेकर ही अंतरिक्ष में निकल जाते हैं। यही चंद्रमा पर संभावित जीवन के नए ठिकाने हो सकते हैं।

इस स्टडी से पृथ्वी पर जीवन की शुरुआत को लेकर भी नए संकेत मिलते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार शुरुआती पृथ्वी के एटमोस्फियर में भी हाइड्रोजन की मात्रा काफी ज्यादा हो सकती थी। कई एस्टेरॉयड टकरावों से यह हाइड्रोजन आया होगा। ऐसे माहौल में केमिकल रिएक्शन तेजी से हो सकते थे। यही रिएक्शन आगे चलकर जीवन की शुरुआत का कारण बने।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हमारी मिल्की वे गैलेक्सी में फ्री फ्लोटिंग प्लेनेट्स की संख्या बहुत बड़ी हो सकती है। कुछ अनुमान बताते हैं कि इनकी संख्या गैलेक्सी के तारों के बराबर भी हो सकती है.। अगर ऐसा है तो उनके आसपास मौजूद चंद्रमा लंबे समय तक रहने योग्य वातावरण बना सकते हैं। इसका मतलब यह है कि जीवन के लिए जरूरी परिस्थितियां सिर्फ तारों के आसपास ही नहीं बनतीं. वे गहरे अंतरिक्ष में भी मौजूद हो सकती हैं। नई रिसर्च से यह संभावना मजबूत हुई है कि ब्रह्मांड के सबसे अंधेरे और ठंडे हिस्सों में भी जीवन जन्म ले सकता है और अरबों साल तक टिक सकता है।

न्यूज विंडो

ट्रक के पहियों में फांसी बाइक गंभीर घायल दंपत्ति, रेफर

सिरोंज। सिरोंज - बीना रोड स्थित बायपास चौराहे पर बुधवार रात एक ट्रक के नीचे बाइक आ गई। जानकारी के अनुसार मल्हारगढ़ में रहने वाले रत्नेश बीलवान और उनकी पत्नी शीला सिरोंज में एक शादी में शामिल होने आए थे। ये दोनों रात करीब 8 बजे बाइक से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान जब वे बायपास चौराहे पर पहुंचे तो तेज गति से आ रहे ट्रक की चपेट में उनकी बाइक आ गई। बाइक सीधे ट्रक के अगले पहिए में जा घुसी और उसका काफी हिस्सा बुरी तरह क्षति ग्रस्त हो हुआ है। बाइक चला रहे रत्नेश और पीछे बैठी उनकी पत्नी पहले ही गिर गए। इस बीच अनाज से भरे ट्रक का ड्राइवर भाग गया। मौके पर मौजूद लोग घायलों को लेकर तुरंत सिरोंज अस्पताल पहुंचे। यहां मौजूद शीला के भाई प्रदीप खरे ने बताया कि दोनों को विदिशा रेफर किया गया है। देर रात में पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया।

जनगणना कार्य 2027 से मुक्त करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

सिरोंज। जनगणना कार्य 2027 से मुक्त करने की मांग को लेकर पंचायत सचिव और रोजगार सहायकों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि पंचायतो में इन दिनों समग्र आईडी, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास सहित अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायत सचिवों और रोजगार सहायकों को करना पड़ रहा है। इस प्रक्रिया में उन्हें काफी मशक्कत करना पड़ती है। इसी बीच उनकी ड्यूटी जनगणना कार्य 2027 में भी लगा दी गई है। इस काम को 15 मार्च तक पूर्ण करने का लक्ष्य भी उन्हें दिया गया है। जबकि वर्तमान में पंचायत से जुड़े काम ही इतने अधिक हैं कि वे जनगणना कार्य पर पूरी तरह से ध्यान नहीं दे पा रहे। सचिवो एवं रोजगार सहायकों ने एसडीएम को दिए ज्ञापन में जनगणना कार्य 2027 से मुक्त करने की मांग़ की है। मांग करने वालों में लेकर लेखराज यादव, कृष्णकांत शर्मा, नितिन शर्मा राम नगीना यादव, कुंवरलाल अहिरवार, मुकेश विश्वकर्मा, जीवन सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में पंचायत सचिव और रोजगार सहायक शामिल है।

नगरपालिका की जनसुनवाई में समस्याओं का किया निराकरण

नर्मदापुरम। सप्ताह में एक दिन होने वाली जनसुनवाई में गुरुवार को नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा जनसुनवाई की गई। इस दौरान एक दर्जन से अधिक आवेदकों की समस्याओं का निराकरण किया गया। वहीं जांच योग्य प्रकरणों को संबंधित शाखा में भेज दिया गया है और जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर प्रति गुरूवार को नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। आज वार्ड 31 में पाइप लाइन विस्तार, वार्ड 6 में नाली निर्माण और सड़क निर्माण, पात्रता पर्ची में नाम जुड़वाने, निर्माण कार्य हेतु एनओसी, संपत्तिकर की रसीद में सही पता करवाने के साथ ही स्वच्छता, पेयजल संबंधी आवेदन आए थे। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने सुनवाई करते हुए अधिकांश समस्याओं का तत्काल निराकरण कराया। पाइप लाइन विस्तार, नाली निर्माण और सड़क निर्माण संबंधी आवेदनों की जांच उपरांत निराकरण करने हेतु संबंधित शाखा प्रभारी को निर्देशित किया गया। आज जनसुनवाई में पार्षद प्रकाश नारायण गौर, राहुल गौर, राजेंद्र उपाध्याय, नरेंद्र पटेल, पूर्व पार्षद मुकेश यादव, नपा से कार्यालय अधीक्षक योगेश सोनी, उपयंत्री रीना गुप्ता, दीक्षा तिवारी सहित नपा के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसानों के लिए केंद्र का बड़ा तोहफा सरसों और अरहर खरीदी को मंजूरी

नर्मदापुरम। केंद्र सरकार ने मध्य प्रदेश के किसानों को राहत देते हुए सरसों और तूर (अरहर) की खरीदी के लिए दो महत्वपूर्ण योजनाओं को हरी झंडी दे दी है। होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है।रबी विपणन सत्र 2025-26 के लिए सरसों उत्पादक किसानों को मजबूत समर्थन मिलेगा। प्राइस डेफिसिट पेमेंट स्कीम के तहत मध्य प्रदेश में अधिकतम 6,28,400 मीट्रिक टन एफएक्यू गुणवत्ता की सरसों को कवर किया जाएगा। इस योजना से बाजार मूल्य में अंतर की भरपाई हो सकेगी, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाव मिलेगा।इसी तरह, खरीफ विपणन सत्र 2025-26 में तूर दाल की खरीदी को भी मंजूरी मिली है। प्राइस सपोर्ट स्कीम के अंतर्गत 93,180 मीट्रिक टन तक तूर की खरीद होगी। राज्य सरकार द्वारा तय तिथि से 60 दिनों तक पंजीकृत किसानों से एफएक्यू गुणवत्ता की तूर खरीदी जाएगी।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सांसद दर्शन सिंह चौधरी से अपने क्षेत्र में इन योजनाओं की निगरानी करने को कहा है, ताकि कोई पात्र किसान लाभ से वंचित न रहे और योजना का दुरुपयोग न हो।

समनापुर कला में तालाब निर्माण योजना अब विवादों के घेरे में

किसानों को नहीं किया राशि का भुगतान, फर्जी मस्टर रोल या फिर राशि की बंदरबांट की शंका

औबेदुल्लागंज। अमित श्रीवास्तव

जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत समनापुर कला में विकास कार्यों की पारदर्शिता पर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। शासन द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और भूजल स्तर सुधारने के लिए शुरू की गई तालाब निर्माण योजना अब विवादों के घेरे में है। जानकारी के अनुसार इस परियोजना में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और अधिकारियों की मिलीभगत की प्रबल आशंका जताई जा रही है।

ग्राम पंचायत समनापुर कला में लगभग 4 किसानों के खेतों में 14 लाख की लागत से तालाबों का निर्माण प्रस्तावित था। वर्तमान में लगभग 8.77 लाख की राशि आहरित की जा चुकी है, लेकिन धरातल पर जो काम दिख रहा है, उसने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उंगली उठा दिए है। आरोप हैं कि मिट्टी का व्यवसायिक उपयोग हुआ है जिसमें सहायक सचिव ने जेसीबी से गड्ढे खुदवाकर कीमती उपजाऊ मिट्टी को निजी लाभ के लिए बेच दिया, जिससे किसानों की फसल योग्य भूमि नष्ट हो गई। अपूर्ण एवं गुणवत्ताहीन कार्य तालाबों में बरसात का पानी न ठहरना और निर्माण के तुरंत बाद सूख जाना, तकनीकी खामियों और भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है। किसानों का दावा है कि उन्हें भुगतान का आश्वासन दिया गया था, लेकिन राशि आज तक उनके खातों में नहीं पहुंची। इससे फर्जी मस्टर रोल या राशि की बंदरबांट की शंका गहरा गई है।

अधिकारियों की चुप्पी और टालमटोल से बढ़ा संदेह

जब इस संबंध में किसान रोजगार सहायक, पंचायत सचिव या जनपद के इंजीनियरों से संपर्क करते हैं, तो उनसे संतोषजनक जवाब के बजाय केवल आश्वासन और टालमटोल ही मिलता है, अधिकारियों का यह ढुलमुल रवैया इस बात को बल दे रहा है कि कहीं न कहीं ऊपर से नीचे तक एक मजबूत साठगांठ काम कर रही है, जो इस मामले को दबाने का प्रयास कर रही है।

निष्पक्ष जांच की दरकार

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज और जिला प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेगा? क्या एक स्वतंत्र जांच टीम बनाकर स्थल निरीक्षण और वित्तीय ऑडिट कराया जाएगा? क्षेत्र की जनता अब टकटकी लगाए बैठी है कि कार्यपालन यंत्री और जनपद के वरिष्ठ अधिकारी इस संभावित घोटाले की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करेंगे या फिर इस मामले को भी फाइल के पन्नों में ही दफन कर दिया जाएगा।

जांच के दिए हैं निर्देश

जैसा की आपने जानकारी दी है, मेरे द्वारा जनपद से इसके लिए जाँच दल बना कर तत्काल जाँच के निर्देश दीये जा रहे हैं । जहां-जहां आपने बताया हैं उन सभी तालाब की गुणवत्ता परीक्षण करवा लेता हूँ। जांच दल के परीक्षण आधार पर जो भी रिपोर्टआयेगी उस पर कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे,अगर कहीं कोई गड़बड़ी पाई जाती हैं तो गड़बड़ी करने बाले को बख्शा नहीं जायेगा।

-निखिलेश कटारे,
सीइओ जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज

किसानों की उपजाऊ जमीन को बंजर बना देना और सरकारी धन का सदुपयोग न होना एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। इसकी सूक्ष्मता से जांच होनी चाहिए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके।

-इमरत सिंह दरवार
ब्लॉक काँग्रेस अध्यक्ष औबेदुल्लागंज

घरेलू सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करने पर होटल रेस्टोरेंट संचालकों के खिलाफ दर्ज होगी एफआईआर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

एलपीजी गैस के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन और कालाबाजारी रोकने के लिए कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर गुरुवार को अनुभागीय बैठक हुई। एसडीएम जय सोलंकी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सिटी मजिस्ट्रेट, जिला आपूर्ति अधिकारी, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के अलावा सभी गैस एजेंसियों के संचालक, होटल-रेस्टोरेंट व मैरिज हॉल मालिक मौजूद रहे। एसडीएम ने स्पष्ट हिदायत दी कि कमर्शियल गैस की कमी के बहाने घरेलू (लाल) सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करने पर होटल-रेस्टोरेंट संचालकों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज होगी। गैस एजेंसियों को चेतावनी दी गई कि हॉकर या वितरक की मिलीभगत से घरेलू सिलेंडरों का डायवर्जन पाए जाने पर लाइसेंस रद्द करने का प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा।व्यवसायियों ने कानून-व्यवस्था व बिजली उपयोग की चुनौतियां बताईं, जिस पर एसडीएम ने शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।जनता से अपील- एसडीएम जय सोलंकी ने कहा कि घबराएं नहीं, सभी घरेलू उपभोक्ताओं को गैस मिलेगी। बुकिंग पोर्टल व सर्वर की तकनीकी खराबी के कारण आई दिक्कतें ठीक हो रही हैं, सप्लाई सुचारू होगी। नागरिक शांति बनाए रखें।

संभागीय समिति लेगी अंतिम फैसला

ग्रीष्मकालीन मूंग की सिंचाई के लिए नहरों से पानी छोड़ने की तिथियां तय

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक में ग्रीष्मकालीन मूंग सिंचाई के लिए नहरों से पानी छोड़ने की प्रस्तावित तिथियां तय की गईं।बैठक में तवा नहर संभाग सिवनी मालवा के लिए 1 अप्रैल 2026 से, तवा परियोजना संभाग इटारसी के लिए 5 अप्रैल 2026 से तथा पिपरिया शाखा नहर संभाग सोहागपुर के लिए 8 अप्रैल 2026 से जल प्रवाह शुरू करने का प्रस्ताव पारित हुआ। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, उप संचालक कृषि डॉ. रविकांत सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधि व किसान संघ के पदाधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।कलेक्टर मीना ने स्पष्ट किया कि नहरें खोलने की अंतिम तिथि संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक के बाद संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी द्वारा ली जाएगी। समिति के सभी सदस्यों ने इस पर सहमति जताई। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री ने बताया कि तवा जलाशय में वर्तमान जल स्तर 348.47 मीटर पर 873 एमसीएम पानी संग्रहित है।

12 सौ हेक्टेयर भूमि को मिलेगा सिंचाई का लाभ जल्द भेजा जाएगा प्रस्ताव - विधायक रघुवंशी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार को लेकर किसानों की मांग पर बैराज एवं स्टॉप डैम निर्माण की प्रक्रिया तेज हो गई है। गंजबासौदा विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने अधिकारियों के साथ प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण कर जल्द ही शासन को प्रस्ताव भेजने की बात कही है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से लगभग 1200 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

विधायक रघुवंशी ने कहा कि सरकार खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और हर खेत तक पानी पहुंचाने के संकल्प के तहत विभिन्न सिंचाई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि गंजबासौदा क्षेत्र में भी सिंचाई के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं और किसानों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान विधायक हरिसिंह रघुवंशी ग्राम डाबर पहुंचे, जहां उन्होंने क्वेटन नदी के डाबर-सनाईरामपुर पठार क्षेत्र में प्रस्तावित बैराज निर्माण स्थल का अधिकारियों, इंजीनियरों एवं किसानों के साथ मुआयना किया। इस दौरान किसानों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और परियोजना की संभावनाओं पर चर्चा की।

विधायक ने बताया कि क्वेटन नदी पर डाबर-सनाईरामपुर पठार में प्रस्तावित बैराज से डाबर, सियारी, बरखेड़ा, बसरिया, मोरोदा, कालापाठा और डफरयाई सहित आसपास के गांवों की करीब 800 हेक्टेयर भूमि सिंचित होगी। वहीं खानवा नदी पर ग्राम मुंडारी में प्रस्तावित स्टॉप डैम से लगभग 400 हेक्टेयर भूमि को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से न केवल सिंचाई क्षेत्र बढ़ेगा बल्कि आसपास के निजी कुओं और बोरवेल का जलस्तर भी सुधरेगा, जिससे किसानों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा और ग्रामीण क्षेत्र में जल संकट की समस्या भी कम होगी। वर्तमान में भूमिगत जलस्तर कम होने के कारण किसानों को सिंचाई में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक ने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं क्षेत्र के सांसद एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा कर स्वीकृति दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

इस दौरान विधायक ने अधिकारियों के साथ पिपरिया मध्यम सिंचाई परियोजना का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदार को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि किसानों को शीघ्र लाभ मिल सके।

छिंदवाड़ा में चलती स्कॉर्पियो में अचानक लगी आग

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले में देर रात एक चलती स्कॉर्पियो में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना कुंडीपुरा थाना क्षेत्र के राजाखोह के पास की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक स्कॉर्पियो छिंदवाड़ा से अमरवाड़ा की ओर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में अचानक वाहन से धुआं निकलने लगा और कुछ ही देर में आग भड़क उठी। स्थिति को भांपते हुए चालक सहित वाहन में सवार तीनों लोगों ने तुरंत गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई।प्राथमिक तौर पर आग लगने का कारण वाहन में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मेट्रो एंकर | महामाई दरबार में फाग महोत्सव की धूम, 28 मार्च तक होंगे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन

कलाकारों ने बुंदेली लोकगीतों पर आधारित भजनों की दी मनमोहक प्रस्तुति

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

महामाई मंदिर परिसर में रात से 3 दिवसीय फाग महोत्सव की शुरुआत हुई। पहले दिन टीकमगढ़ के बुंदेली लोकगीत गायक बबलू बुंदेला और नेहा दीसोरिया की टीम ने बुंदेली लोकगीतों पर आधारित अपनी प्रस्तुति दी। रात करीब 10 बजे ये आयोजन मंदिर परिसर में शुरू हुआ। जिसकी शुरुआत बुंदेली लोक भजन मैया तुम्हारी हो जय जयकार के साथ हुए। इसके बाद गायक ने भगवान शिव, राम और कृष्ण की भक्ति से ओतप्रोत लोक भजनों की भी संगीतमयी प्रस्तुति दी। इसके साथ ही गुरूवार को देसराज नरवरिया ने अपनी टीम के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की।आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि सिरोंज और लटेरी क्षेत्र में लोक संस्कृति से संबंधित आयोजनों के प्रति गहरा लगाव है। इसी को समझते हुए महामाई माता परिसर में ये आयोजन शुरू हुए है। आयोजन के प्रति पहले दिन से ही लोगों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। शुक्रवार को जित्तू खरे की टीम द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। 14 मार्च शनिवार से महामाई परिसर में ही लोकोत्सव की शुरुआत भी होगी। रात्रि में भजन गायिका संजो बघेल के भजन होंगे। 15 मार्च को राजस्थानी सांस्कृतिक कार्यक्रम में राजस्थानी लोकसंस्कृति की धूम दिखाई देगी, 16 मार्च को बृज की धरती की संस्कृति महामाई परिसर में दिखाई देगी और 17 मार्च को लोकमाता देवी अहिल्या पर आधारित नृत्य नाटिका सम्पन्न होगी। लोकोत्सव के समापन पर बुंदेली संस्कृति पर आधारित जलयात्रा कार्यक्रम होगा।

19 से शुरू होगा श्री विद्या शतचंडी महायज्ञ: 19 मार्च से महामाई माता के दरबार में चैत्र नवरात्र की धूम शुरू हो जाएगी। माता के दरबार में 10 दिवसीय श्री विद्या शतचंडी दुर्गा महायज्ञ शुरू होगा। 22 मार्च को स्वस्ति मेहुल की टीम द्वारा विशाल भगवती जागरण होगा। 24 मार्च को मोहित शवानी की टीम श्री कृष्णायन कृष्ण और मध्यप्रदेश की प्रस्तुति देगी। इसके बाद यही टीम 25 मार्च को राष्ट्र सर्वोपरि संकल्प और साधना के 100 वर्ष की प्रस्तुति देगी। 28 मार्च को महायज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर विशाल कन्या भोज और भंडारा होगा। इस अवसर शाम को बृज की होली और रात्रि में रामलीला के समापन पर रावण दहन कार्यक्रम भी होगा।

लोकनृत्यों ने रातभर बांधा समा

फाग महोत्सव में नेहा दिसौरिया की टीम द्वारा मनभावन लोकनृत्यों की प्रस्तुति भी दी गई। इस दौरान परंपरागत राई नृत्य को लेकर लोगों में ज्यादा उत्साह दिखाई दिया। फाग महोत्सव में प्रेमी और प्रेमिका के प्यार और चुगलबाजी भरे नगमे काफी आकर्षण का केंद्र रहते है। इन लोक गीतों पर नचनारियों के नृत्य ने दर्शकों को खूब लुभाया। इस दौरान अनेक दर्शकों ने खुद भी नृत्य कर अपनी उत्साहजनक सहभागिता बताई।

चीता प्रोजेक्ट: जून अंत तक आएंगे 4 चीते, कल बाड़े का होगा भूमिपूजन, कलेक्टर ने टाइगर रिजर्व के अमले के साथ देखी तैयारियां

टाइगर रिजर्व में 450 हेक्टेयर में बनेगा सॉफ्ट रिलीज बोमा, सीएम छोड़ेंगे कछुआ

विशाल रजक। तेन्दूखेड़ा

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में अंततः चीता प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने जा रहा है। यह तय हो गया है कि यहां जून अंत तक 4 चीते लाए जाएंगे। मुहली रेंज में चीतों को रखने सॉफ्ट रिलीज व क्वारेंटाइन बोमा (बाड़ा) तैयार कराए जाएंगे। इसके भूमिपूजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव टाइगर रिजर्व आएंगे। अभी तक 14 मार्च की तारीख भूमिपूजन के लिए प्रस्तावित है। इस दौरान मुख्यमंत्री टाइगर रिजर्व के चकई घाट में कछुए भी छोड़ेंगे।

वीरांगना दुर्गावती देश का पहला ऐसा टाइगर रिजर्व बनने जा रहा है, जहां बाघ, तेंदुआ व चीता तीनों एक ही जगह दिखेंगे। वाइल्ड लाइफ टूरिज्म की दिशा में चीता प्रोजेक्ट बेहद खास माना जा रहा है। प्रबंधन के मुताबिक सॉफ्ट रिलीज बोमा निर्माण के लिए टाइगर रिजर्व की मुहली रेंज को चुना किया है। यहां पर करीब 450 हेक्टेयर जमीन पर बोमा तैयार होगा टाइगर रिजर्व में अफ्रीकन चीतों की शिफ्टिंग की जानी है। कागजी कार्रवाई पहले ही पूरी हो चुकी है और अब जमीनी स्तर पर प्रवास शुरू किए गए है। 450 हेक्टेयर के बोमा में अलग-अलग सेगमेंट तैयार किए जाएंगे, जिसमें चीतों की संख्या के आधार पर उन्हें अलग-अलग श्रेणी के सेगमेंट में बांटा जाएगा।

टाइगर रिजर्व में व्यारमा नदी के चकई घाट का गुरुवार को जिला और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने निरीक्षण किया चकई घाट कछुआ संरक्षण स्थल के रूप में चिन्हित है व इसको और ज्यादा विकसित किया जाना है सागर कलेक्टर संदीप जीआर ने योजना की जानकारी ली बताया जा रहा है कि व्यारमा नदी के चकई घाट पर कछुओं को छोड़े जाने की तैयारी की जा रही है, जिससे नदी के जैविक संतुलन को बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। सीएम डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित दौरे के समय वे कछुओं को व्यारमा नदी में छोड़ेंगे टाइगर रिजर्व में हेलीपैड निर्माण का कार्य भी तेज गति से किया जा रहा है और शुक्रवार की शाम तक यह तैयार हो जाएगा।

मुहली में घास के मैदान और छायादार पेड़, इसलिए चयन

नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनटीसीए) व वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यू आईआई) को नोडल एजेंसी बनाया गया है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की टीम ने ही टाइगर रिजर्व में चीतों के लिए मुहली, सिंगपुर और झापन रेंज का चयन किया है। टाइगर रिजर्व की मुहली रेंज में घास के मैदान व छायादार पेड़ हैं। इसलिए यहां बोमा बनाए जा रहे हैं। क्वारेंटाइन बोमा में रखने के एक माह बाद इन्हें सॉफ्ट रिलीज बोमा में छोड़ा जाएगा।

5 करोड़ का बजट, 3 मादा व एक नर चीता आ सकता है

टाइगर रिजर्व में चीतों के लिए 8 बोमा बनाए जाएंगे। बोमा व अन्य तैयारियों के लिए टाइगर रिजर्व को 5 करोड़ का बजट मंजूर किया गया है। सूत्रों के अनुसार कूनो से लाए जाने वाले 4 चीतों में 3 मादा व एक नर हो सकता है। ये हाल ही में बोत्सवाना से कूनो लाए गए 9 चीतों में से हो सकते हैं। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह ने बताया कि बोमा के भूमिपूजन के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव 14 मार्च शनिवार को टाइगर रिजर्व आ सकते हैं इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है।

पुलिस ने दिल्ली के मेट्रो स्टेशन से किया पीड़ित को बरामद

मोहम्मद ने सोनू बनकर की दोस्ती.... शादी का झांसा और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाकर किया दुष्कर्म

राजगढ़ से दिल्ली तक लेकर गया आरोपी, दस्तावेजों पर जबरन हस्ताक्षर कराए

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के राजगढ़ थाने में उत्तर प्रदेश के एक युवक के विरुद्ध दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी और अवैध धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। आरोपी ने खुद को हिंदू बताकर युवती से दोस्ती की थी और बाद में डरा-धमकाकर उसका शारीरिक शोषण किया, आरोपी यहां भी नहीं रुका, वह पीड़िता को धर्म परिवर्तन कराने दिल्ली तक ले गया, इसी बीच राजगढ़ पुलिस ने पीड़िता को दिल्ली के मेट्रो स्टेशन से दस्तयाब कर लिया। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार राजगढ़ निवासी 21 वर्षीय कॉलेज छात्रा की दोस्ती करीब दो साल पहले सोशल मीडिया के माध्यम से मोहम्मद निजाम उर्फ सोनू निवासी मुरादाबाद उत्तरप्रदेश से हुई थी। आरोपी राजगढ़ में ही पीड़िता के घर के समीप किराए से रहकर कारपेंटर का काम करता था उसने ने शुरुआत में अपनी मुस्लिम पहचान छिपाई और खुद को सोनू बताकर युवती को अपने प्रेम जाल में फंसाया।

ब्लैकमेल कर किया शारीरिक शोषण

शिकायत में बताया गया कि करीब दो साल पहले आरोपी ने युवती को अपने कमरे पर बुलाकर पहली बार जबरन दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी लगातार डरा-धमकाकर उसका शोषण करता रहा। कुछ समय पूर्व जब पीड़िता गर्भवती हो गई, तो आरोपी ने शादी का झांसा दिया लेकिन साथ ही शर्त रखी कि उसे इस्लाम धर्म अपनाना होगा और नमाज पढ़नी होगी।

युवक ने दिल्ली ले जाकर बनाया धर्म परिवर्तन का दबाव

फरवरी और मार्च 2026 के दौरान आरोपी पीड़िता को झांसा देकर दिल्ली ले गया। वहां कोर्ट में कुछ दस्तावेजों पर जबरन हस्ताक्षर कराए गए और निकाह के लिए मौलवी से भी मिलवाया गया। दिल्ली में रहते हुए पीड़िता को पता चला कि आरोपी पहले से शादीशुदा है। जब उसने विरोध किया, तो आरोपी उसे दरगाह ले जाकर धर्म परिवर्तन कराने की जिद करने लगा। इसी बीच राजगढ़ थाने में युवती की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज थी। पुलिस टीम ने लोकेशन के आधार पर दिल्ली मेट्रो स्टेशन के पास से आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा और युवती को सुरक्षित बरामद कर राजगढ़ लाया गया। पहले आरोपी के डर से युवती चुप रही और आरोपी के खिलाफ बयान नही दिए, परिजनों के सहयोग से उसने अब पूरी आपबीती पुलिस को बताई। पुलिस ने आरोपी मोहम्मद निजाम उर्फ सोनू पिता रईस अहमद के विरुद्ध धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के साथ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया था।

कोर्ट का फैसला

इरिगेशन कंपनी के सीनियर अकाउंट मैनेजर को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

धार। दोपहर मेट्रो

पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की कंपनी में करोड़ों रुपए की हेराफेरी करने वाले सीनियर अकाउंट मैनेजर को न्यायालय ने ऐतिहासिक सजा सुनाई है। चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश ने आरोपी राघव राजपूत को दोषी करार देते हुए आजीवन सश्रम कारावास और एक करोड़ संतानवे लाख तिहत्तर हजार सात सौ सत्रह रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। आरोपी राघव राजपूत ने कंपनी के वेंडरों के रुपयों को ऑनलाइन गेमिंग और होम लोन के खर्च कर दिया था।

आरोपी राघव राजपूत निवासी बिचौली मर्दाना इंदौर वर्ष 2017 से पीथमपुर स्थित मैसर्स शक्ति एरिगेशन प्राइवेट लिमिटेड में सीनियर अकाउंट मैनेजर के पद पर कार्यरत था। उसे कंपनी के समस्त वित्तीय लेनदेन का अधिकार प्राप्त था। वर्ष 2021 से 2022 के बीच, आरोपी ने पद का दुरुपयोग करते हुए कंपनी के वेंडरों को भुगतान करने के बजाय राशि अपने व्यक्तिगत एसबीआई और एचडीएफसी बैंक खातों में स्थानांतरित कर ली। ऑडिट टीम की जांच में इस आर्थिक अपराध का खुलासा हुआ, जिसके बाद कंपनी के एमडी को इसकी रिपोर्ट सौंपी गई।

गेमिंग और पर्सनल लोन में उड़ाई राशि

अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे अतिरिक्त लोक अभियोजक शरद कुमार पुरोहित ने न्यायालय को बताया कि आरोपी ने कंपनी के करीब 2 करोड़ रुपए हड़पकर उन्हें ऑनलाइन गेमिंग और अपने व्यक्तिगत लोन चुकाने में खर्च कर दिया। पुलिस अनुसंधान के दौरान आरोपी के पास से कंपनी का लैपटॉप, मोबाइल और बैंक संबंधी दस्तावेज जब्त किए गए थे, जिनकी जांच फॉरेंसिक लैब भोपाल से कराई गई। प्रकरण के विचारण के दौरान अभियोजन ने 17 गवाहों के कथन कराए और 88 महत्वपूर्ण दस्तावेज पेश किए। न्यायालय ने आरोपी के कृत्य को शंका से परे मानते हुए धारा 420 में 7 वर्ष, धारा 467 में आजीवन कारावास, धारा 468 में 7 वर्ष, धारा 471 में 2 वर्ष व धारा 408 में 7 वर्ष सभी धाराओं में सश्रम कारावास की सजा सुनाकर एक करोड़ संतानवे लाख तिहत्तर हजार सात सौ सत्रह रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। शासन की ओर से अति. शासकीय लोक अभियोजक शरद कुमार पुरोहित द्वारा पैरवी की गई।

मेट्रो एंकर बम्हौरी में एनएसएस शिविर का आयोजन

नशा मुक्ति रैली निकालकर चलाया स्वच्छता अभियान

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

अमर वीरांगना रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन ग्राम बम्होरी स्थित आईटीआई भवन में किया जा रहा है। यह शिविर महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर के निर्देशन में संचालित हो रहा है। शिविर के छठवें दिन विभिन्न सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के पुरुष इकाई प्रभारी यशवंत अहिरवाल एवं महिला इकाई प्रभारी श्रीमती सुमन अहिरवार के मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया तथा समाज को नशामुक्त बनाने का संदेश दिया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने ÷नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो÷ जैसे प्रेरक नारों के माध्यम से जनसामान्य को जागरूक किया। इसके साथ ही महिलाओं को समाज में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रेरणादायक संदेश भी दिए गए। स्वयंसेवकों ने महिलाओं को शिक्षा, स्वावलंबन और सामाजिक भागीदारी के महत्व के बारे में जानकारी दी तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

शिविर के दौरान पीएम श्री शासकीय विद्यालय बम्हौरी पांजी में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। स्वयंसेवकों ने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया और सभी को स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। जागरूकता रैली और स्वच्छता अभियान में स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ भाग लिया तथा नारों और संदेशों के माध्यम से लोगों तक सामाजिक जागरूकता का संदेश पहुंचाया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. रुचि द्विवेदी, श्रीमती खुशबू रावत एवं महाविद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

खेत से गुजर रही महिला से दुष्कर्म, आरोपी ने दी जान से मारने की धमकी

धार। तिरला थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम चिलुर में एक महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी सादिक उर्फ हुसैन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 26 फरवरी की शाम की है। पीड़िता जब आरोपी के खेत के पास से गुजर रही थी, तभी आरोपी सादिक उर्फ हुसैन पिता इब्राहिम निवासी ग्राम चिलुर ने उसे जबरन रोका और अपने खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।जब पीड़िता ने शोर मचाने का प्रयास किया, तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। दुष्?कर्म की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने पीड़िता को उसने इस बारे में किसी को भी बताया, तो वह उसे समाज में बदनाम कर देगा। आरोपी के चंगुल से छूटने के बाद पीड़िता ने घर पहुंचकर अपने परिजनों को आपबीती सुनाई। इसके बाद पीड़िता परिजनों के साथ तिरला थाने पहुंची और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

मंडला के लालीपुर में एंबुलेंस खंभे से टकराई

मंडला। दोपहर मेट्रो

जिले के लालीपुर इलाके में देर शाम एक 108 एंबुलेंस डिवाइडर पर लगे खंभे से टकरा गई। हादसे में एंबुलेंस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, दुर्घटना के समय एंबुलेंस में कोई मरीज मौजूद नहीं था और किसी को चोट नहीं आई।

जानकारी के अनुसार, एंबुलेंस किसी काम से जा रही थी, तभी लालीपुर क्षेत्र में अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया। इसके परिणामस्वरूप, वाहन डिवाइडर पर लगे खंभे से जा टकराया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2, भोपाल

निविदा सूचना 38 वर्ष 2025-26 भोपाल, दिनांक 26/02/2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रू. लाख में)
1	2	3	4	5
1	2026_PWDRB_486073_1	पश्चिम उपसंभाग के अंतर्गत सेक्शन क्रमांक-1 में भवनों के विभिन्न लघु मूल कार्य, मरम्मत, डिपोजिट के कार्य।	प्रथम	90.00
2	2026_PWDRB_486076_1	पश्चिम उपसभाग के अंतर्गत सेक्शन क्रमांक-2 में भवनों के विभिन्न लघु मूल कार्य, मरम्मत, डिपोजिट के कार्य।	प्रथम	90.00
3	2026_PWDRB_486085_1	पश्चिम उपसभाग के अंतर्गत भवनों के विभिन्न लघु मूल कार्य, मरम्मत, डिपोजिट के कार्य।	प्रथम	95.00
4	2026_PWDRB_486087_1	जजेस गेस्ट हाउस ईदगाह हिल्स सेक्शन क्रमांक-2 के अन्तर्गत भवनों के विभिन्न लघु मूल कार्य, मरम्मत, डिपोजिट के कार्य।	प्रथम	90.00
5	2026_PWDRB_486089_1	वी.आई.पी. रेस्ट हाउस एवं रेस्ट हाउस क्रमांक-01 बाणगंगा के पास भवनों के विभिन्न लघु मूल कार्य, मरम्मत, डिपोजिट के कार्य।	प्रथम	80.00
6	2026_PWDRB_486090_1	पश्चिम उपसंभाग भोपाल के अन्तर्गत विभिन्न मार्गो में रोड सेफ्टी साईनेज का कार्य।	प्रथम	25.00
7	2026_PWDRB_486091_1	पश्चिम उपसंभाग भोपाल के अन्तर्गत विभिन्न मार्गो में पुलियों की मरम्मत का कार्य।	प्रथम	50.00

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि 18.03.2026 जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी-27124/25

कार्यपालन यंत्री,
लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2 भोपाल

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, भवन नियंत्रक विधानसभा राजधानी संभाग क्र.-3 लोक निर्माण विभाग ई-5 अरेरा कालोनी भोपाल फोन-0755-2463894

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्न लिखित कार्यों हेतु निविदाएं, मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों (ठेकेदारों की श्रेणी में कॉलम में उद्धृत अनुसार) से आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	सिस्टम टेन्डर नं.	एन.आई. टी.क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य की अवधि	ठेकेदार की श्रेणी
1	2025_सी.पी.ए._487853	103/25-26 दि. 6.3.2026	वार्षिक संधारण के अंतर्गत विधानसभा भवन के सेक्टर 3,4 प्रथम तल एवं अन्य क्षेत्र का विद्युत संधारण कार्य।	रु.19,96,241.00	रु.39925.00	रु.2000.00	12 माह	लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदाकार।
2	2025_सी.पी.ए._487854	104/25-26 दि. 6.3.2026	वार्षिक संधारण के अंतर्गत विधायक विश्राम गृह में लकड़ी के फर्नीचर का सुधार, नवीनीकरण एवं सुदृढ़िकरण कार्य।	रु.19,94,000.00	रु.39880.00	रु.2000.00	06 माह	--- तदैव ---
3	2025_सी.पी.ए._487855	105/25-26 दि. 6.3.2026	विधायक विश्राम गृह में स्थापित डेजर्ट कूलर के मोटर पम्प, कूलर फेन बदलकर वार्षिक रखरखाव के अन्तर्गत संधारण कार्य।	रु.7,27,565.00	रु.14551.00	रु.2000.00	03 माह	--- तदैव ---
4	2025_सी.पी.ए._487859	106/25-26 दि. 6.3.2026	विधानसभा भवन में नेटवर्किंग ऑपरेटिंग सेन्टर कक्ष क्र.-318 में 2.00 टन क्षमता का वातानुकूलन संयत्र प्रदाय एवं स्थापना कार्य।	रु.1,28,221.00	रु.2564.00	रु.1000.00	15 दिवस	--- तदैव ---
5	2025_सी.पी.ए._487861	107/25-26 दि. 6.3.2026	विधानसभा भवन में स्थापित कान्फ्रेन्स सिस्टम, पी.ए. सिस्टम, साउण्ड अलार्म सिस्टम, एवं फायर अलार्म सिस्टम का वार्षिक संचालन कार्य।	रु.10,04,436.00	रु.20089.00	रु.2000.00	12 माह	--- तदैव ---
6	2025_सी.पी.ए._487863	108/25-26 दि. 6.3.2026	विधायक विश्राम गृह में स्थापित गोदरेज/व्हर्लपूल मेक सिंगल/डबल डोर रेफ्रिजरेटर का वार्षिक संधारण कार्य।	रु.6,08,421.00	रु.12168.00	रु.2000.00	12 माह	--- तदैव ---
7	2025_सी.पी.ए._487864	109/25-26 दि. 6.3.2026	वार्षिक संधारण के अन्तर्गत विधानसभा भवन के सेक्टर 5,6, द्वितीय तल एवं अन्य क्षेत्र का विद्युत संधारण कार्य।	रु.19,95,833.00	रु.39916.00	रु.2000.00	12 माह	--- तदैव ---
8	2025_सी.पी.ए._487865	110/25-26 दि. 6.3.2026	विधायक विश्राम गृह में स्थापित सेमसंग/एल.जी. मेक एल.ई.डी. टी.वी. का वार्षिक संधारण कार्य।	रु.13,99,748.00	रु.27995.00	रु.2000.00	12 माह	--- तदैव ---

(1) उपरोक्त वेबसाइट से ऑनलाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (Tender documents) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। (2) निविदा प्रपत्र क्रय करने की तिथि दिनांक 13.3.2026 से दि. 23.3.2026 सांय 5.30 बजे तक निर्धारित है। (3) विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है। (4) निविदा से संबंधित आवश्यक अभिलेख केवल ऑन लाईन ही प्राप्त किये जा सकेंगे। यदि आवश्यक हो तो केवल निविदाकार स्वयं कार्यालय में जाकर स्थल का अवलोकन कर सकता है।

जी-27142/25

कार्यपालन यंत्री, भवन नियंत्रक विधानसभा
राजधानी संभाग क्र.-3 लोक निर्माण विभाग
ई-5, अरेरा कालोनी, भोपाल 0755-2463894

युकी भांबरी पहली बार एटीपी मास्टर्स के सेफा में

इंडियन वेल्स। भारत के युकी भांबरी ने स्वीडन के अपने साथी गोरान गोरानसन के साथ मिलकर सीधे सेटों में जीत दर्ज करके बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह पहला अवसर है जबकि भांबरी किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह दो बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके थे। भांबरी और गोरानसन ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर एरलर और इटली के एंड्रिया वावस्सौरी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 से हराया। यह मैच एक घंटे 30 मिनट से अधिक समय तक चला।

पहली सर्विस से बनाया दबाव

भारत और स्वीडन की जोड़ी ने अपनी पहली सर्विस पर दबदबा बनाए रखा और इस पर 83 प्रतिशत अंक (35 में से 29) जीते। इससे उन्हें दूसरे सेट में टाई-ब्रेक और मैच जीतने में मदद मिली। भांबरी और गोरानसन शुक्रवार को सेमीफाइनल में फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच और मोनाको के वैलेंटीन वाचेरोट से भिड़ेंगे। रिंडरकनेच और वाचेरोट ने क्वार्टरफाइनल में आंद्रे रुबलेव और करेन खाचानोव की रूसी जोड़ी को 6-3 6-4 से हराया।

जैक ने जोकोविच को हराया

मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा। मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया। तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाईब्रेकर तक पहुंचा दिया। रिकॉर्ड 24 बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन 38 वर्षीय जोकोविच ने 2008, 2011, 2014, 2015 और 2016 में इंडियन वेल्स में खिताब जीता था। जोकोविच इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब जीतने के करीब पहुंच गए थे, लेकिन फाइनल में कार्लोस अल्काराज़ से हार गए थे। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा, मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं।

10वीं रैंक वाले बांग्लादेश से हारा पाकिस्तान

दिग्गजों ने उड़ाई टीम की धज्जियां, अकमल-बासित और फवाद खान ने सुनाई खरी-खरी

कराची, एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 में मुंह की खाने के बाद पाकिस्तानी टीम बड़े बदलाव और बड़ी उम्मीदों के साथ बांग्लादेश दौरे पर गई। पाकिस्तान के नए वनडे कप्तान शाहीन अफरीदी के नेतृत्व में टीम को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले वनडे में ही आठ विकेट से करारी शिकस्त मिली। पाकिस्तान टीम की इस हार के बाद वहां के दिग्गजों ने अपनी ही टीम की धज्जियां उड़ाई हैं। कामरान अकमल, बासित अली, फवाद आलम से लेकर फैंस तक ने टीम की खिल्ली उड़ाई और कहा कि जिस टैलेंट की बात पाकिस्तान क्रिकेट में इतने दिनों से की जा रही थी, क्या यही वो टैलेंट हैं?

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को आठ विकेट से हराया- दरअसल, रोड टू 2027 वनडे वर्ल्ड कप के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश ने तीन मैचों की वनडे सीरीज से अपनी तैयारी शुरू की है। दोनों के बीच 11 मार्च को ढाका के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में सीरीज का पहला वनडे खेला गया। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हु 30.4 ओवर में 114 रन बनाए और सभी 10 विकेट गंवा दिए। इसके बाद बांग्लादेश की टीम ने पाकिस्तान की पारी के आधे ओवर में सिर्फ दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बांग्लादेश ने 15.1 ओवर में लक्ष्य हासिल किया।

चौथी रैंक पर है पाकिस्तान

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पाकिस्तान की वनडे रैंकिंग चार है, जबकि बांग्लादेश की वनडे रैंकिंग 10 है। बांग्लादेश की टीम अब तक 2027 वनडे विश्वकप के लिए क्वालिफाई तक नहीं कर पाई है। उसे वनडे विश्वकप के लिए ऑटोमैटिक क्वालिफाई करने के लिए 31 मार्च, 2027 तक रैंकिंग में शीर्ष-आठ में आना जरूरी है। ऐसा नहीं हुआ तो टीम को क्वालिफायर्स खेलना होगा। उस बांग्लादेशी टीम से पाकिस्तान को करारी शिकस्त मिली। मैच के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों ने टीम का मजाक उड़ाया। पूर्व ऑलराउंडर फवाद आलम ने ट्विटर पर लिखा, क्या इन्हें ही हम टैलेंट कहते हैं?

पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद पूर्व क्रिकेटर और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बासित अली ने टीम मैनेजमेंट और खिलाड़ियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने खास तौर पर पावरप्ले में 10 ओवर में 60 रन बनाने की रणनीति पर सवाल उठाए। बासित अली ने कहा, सबसे पहले उस आदमी को हटाना चाहिए जिसने खिलाड़ियों से कहा कि पावरप्ले के 10 ओवर में कम से कम 60 रन बनाओ। उसने कभी मैदान पर क्रिकेट खेली ही नहीं होगी, बस कागज पकड़ाकर दे देता है। क्या उसे यहां की परिस्थितियों का अंदाजा नहीं था? क्या उसे नहीं पता कि यहां भारत जैसी टीम भी बांग्लादेश में हार चुकी है?

एक टीम इंटरनेशनल, दूसरी क्लब टीम जैसी| पाकिस्तान के पूर्व विकेटकीपर कामरान अकमल भी टीम के प्रदर्शन से बेहद निराश नजर आए। उन्होंने कहा कि मैच में दोनों टीमों के स्तर में साफ फर्क दिख रहा था। अकमल ने कहा, %ऐसा लग रहा था जैसे एक टीम इंटरनेशनल क्रिकेट खेल रही है और दूसरी टीम वर्ल्ड कप से पहले कोई प्रैक्टिस मैच खेल रही क्लब टीम हो। मैंने बासित को फोन किया, लेकिन मेरे पास यह बताने के लिए शब्द नहीं थे कि हम कैसी क्रिकेट खेल रहे थे।

नाहिद राणा के खिलाफ बल्लेबाजी पर सवाल

अकमल ने खास तौर पर नाहिद राणा की गेंदबाजी के खिलाफ पाकिस्तान के बल्लेबाजों के रवैये पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, हमारे सभी बल्लेबाज बैकफुट पर खेल रहे थे। कोई भी आगे बढ़कर नहीं खेला। रिजवान सीनियर खिलाड़ी हैं, उन्हें समझदारी दिखानी चाहिए थी और आगे निकलकर शॉट लगाना चाहिए था, लेकिन उन्हें दो बार कट लगा और वह आउट हो गए। अकमल ने यह भी कहा कि राणा ने विकेट लेने के बाद ज्यादा जश्न भी नहीं मनाया। अकमल ने पाकिस्तान की आईसीसी रैंकिंग पर भी तंज कसते हुए कहा कि घरेलू मैदान पर कमजोर टीमों को हराकर रैंकिंग में ऊपर रहना ज्यादा मायने नहीं रखता। उन्होंने कहा, हम घर पर कमजोर टीमों को हराकर अंक जुटाते हैं, लेकिन जब विदेश जाते हैं तो असली तस्वीर सामने आ जाती है। मार्च 2026 में बांग्लादेश दौरे के लिए पाकिस्तान ने शाहीन शाह अफरीदी की कप्तानी में 15-सदस्यीय वनडे टीम की घोषणा की थी। टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया गया है, जबकि दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम, फखर जमां, सैम अयूब, मोहम्मद नवाज और नसीम शाह को बाहर कर दिया गया । तीन मैचों की वनडे सीरीज के अगले दो मैच 13 और 15 मार्च को ढाका में खेले जाएंगे।

व्यस्त कार्यक्रम के बीच आयरलैंड दौरा भी संभव

श्रीलंका दौरे पर टी20 सीरीज भी खेल सकती है टीम इंडिया

नई दिल्ली , एजेंसी

टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर टी20 सीरीज भी खेल सकती है। अगले 12 महीने में व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के बावजूद भारतीय टीम आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेल सकती है। समाचार एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, प्रस्तावित मैच निर्धारित द्विपक्षीय दौरे और टूर्नामेंट्स के साथ ही होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) श्रीलंका दौरे के दौरान तीन टी20 सीरीज भी खेलने का प्लान बनाने पर विचार कर रही है।

ये टी20 सीरीज दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले होंगे जो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का हिस्सा है। टेस्ट सीरीज जुलाई-अगस्त में होनी है। दरअसल, टी20 सीरीज खेलना श्रीलंका क्रिकेट की ओर से प्रस्तावित है। श्रीलंका क्रिकेट ने बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए फंड जुटाने की योजना से इस टी20 सीरीज का प्रस्ताव रखा है। पिछले साल नवंबर में श्रीलंका में दितवाह तूफान आया था जिस कारण कई क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ था।

जून में आयरलैंड दौरे को लेकर भी चर्चा

सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टी20 टीम श्रीलंका दौरे की शुरुआत तीन मैचों की टी20 सीरीज से कर सकती है। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। श्रीलंका दौरे पर जाने से पहले भारत को इंग्लैंड में एक से 19 जुलाई तक तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलने हैं। हालांकि, इससे पहले टीम आयरलैंड जा सकती है और तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए चर्चा जारी है। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई और क्रिकेट आयरलैंड के बीच सीरीज को लेकर चर्चा चल रही है। अगर सबकुछ तय रहा तो ये सीरीज जून के आखिरी सप्ताह में हो सकती है। भारत ने 2018, 2022 और 2023 में द्विपक्षीय सीरीज के लिए आयरलैंड का दौरा किया था। आयरलैंड क्रिकेट को विकसित करने के उद्देश्य से भारतीय टीम ये सीरीज खेलती है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन वनडे मैचों की सीरीज के बाद आयोजित हो सकती है।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

8 साल पुराने ऑडियो लीक पर मचा बवाल!

रश्मिका ने दी चेतावनी- 24 घंटे में इसे हटाइये

सहेली के एक्स से की थी शादी

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी मां सुमन के एक लीक हुए ऑडियो मैसेज की वजह से सुर्खियों में है. जिसका कनेक्शन उनकी पहली शादी से है. इस ऑडियो ने पर्दे के पीछे हुई घटनाओं को लेकर हर तरफ चर्चा छेड़ दी है, क्योंकि सुमन ने इसमें कन्नड़ भाषा में काफी भावुक होकर बात की है. अब इन सब के बीच एक्ट्रेस ने इस पूरे विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी है. एक्ट्रेस ने बकायदा इसे लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है. जिसमें उन्होंने लिखा, उस बातचीत के एक छोटे से हिस्से को जान-बूझकर संदर्भ से हटाकर पेश किया गया है. उन्होंने आगे बताया कि यह ऑडियो बिना किसी की सहमति के सार्वजनिक कर दिया गया था और अब वह इसे हटाने की गुजारिश कर रही हैं.

आठ साल पहले दिए गए अपनी मां के एक इंटरव्यू का ऑडियो लीक होने के बाद जब विवाद खड़ा हो गया और नेटिजन्स की तरफ से मिले-जुले रिएक्शन आने लगे. अब रश्मिका मंदाना ने आगे आकर इस विवाद को खत्म करने की पहल की.??अपनी हालिया ङ्ग पोस्ट में एक्ट्रेस ने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से इस ऑडियो को तुरंत हटाने की अपील की है. उन्होंने अब स्पष्ट करते हुए कहा है, एक पुरानी पर्सनल बातचीत, जो लगभग आठ साल पहले की मानी जा रही है, उसे शायद संबंधित लोगों की जानकारी या सहमति के बिना ही रिकॉर्ड करके फैला दिया गया है.

लोग कितनी हद तक गिर सकते हैं

उस बातचीत के एक छोटे से हिस्से को अब जान-बूझकर संदर्भ से हटाकर बड़े पैमाने पर फैलाया जा रहा है, ताकि एक और असहज विवाद खड़ा किया जा सके—और यह सब मेरी निजी जिंदगी में हाल ही में हुई घटनाओं के साथ रणनीतिक रूप से मेल खाता है. लोग कितनी हद तक गिर सकते हैं? ऐसा करके, उन्होंने मेरे परिवार के साथ-साथ उन लोगों को भी इस असहज स्थिति में घसीट लिया है जिनके साथ मेरे सौहार्दपूर्ण संबंध हैं, और जिनका इस मामले से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं है.

पति आदित्यधर के जन्मदिन पर यामी गौतम ने लुटाया प्यार, शेयर कीं अनदेखी तस्वीरें

उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक और धुरंधर जैसी दमदार फिल्में बनाने वाले मशहूर निर्देशक आदित्य धर ने गुरुवार को अपना जन्मदिन मनाया। इस खास मौके पर उनकी पत्नी और अभिनेत्री यामी गौतम ने जन्मदिन की बधाई दी। यामी गौतम ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर आदित्यधर के साथ तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में दोनों रेगिस्तान में रेत के टीलों के बीच खड़े हैं, तो दूसरी तस्वीर में दोनों सेल्फी लेते दिख रहे हैं। यामी ने पोस्ट कर लिखा, ÷काश मेरे पास इतने शब्द होते कि मैं बता पाती कि तुम मेरे लिए कितने खास हो। मेरे प्रिय आदित्य, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, आदित्य।÷ यामी गौतम और आदित्य

धर ने एक-दूसरे-दूसरे को तीन साल तक डेट करने के बाद 4 जून 2021 कोइंटिमेट वेडिंग की, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग शामिल हुए। उन्होंने हिमाचल प्रदेश में अपने पैतृक घर पर पारंपरिक तरीके से शादी की थी। बता दें कि दोनों की पहली मुलाकात फिल्म उरी॰ द सर्जिकल स्ट्राइक के सेट पर हुई थी, जिसमें आदित्य धर निर्देशक थे और और अभिनेत्री मुख्य भूमिका में थी। दोनों के बीच दोस्ती हुई और फिर वह प्यार में बदल गई। दोनों का एक बेटा है, जिसका नाम वेदविद है। आदित्य धर एक जाने-माने फिल्ममेकर हैं। उन्होंने इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स में बीटेक करने के बाद रेडियो जॉकी के तौर पर करियर की शुरुआत की। इसके बाद स्क्रीनराइटर के तौर पर काम किया।

दूध में मिलावट पर सख्ती, अब उत्पादकों-विक्रेताओं को लेना होगा लाइसेंसः एफएसएसएआई

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। देश में दूध में मिलावट की घटनाओं को रोकने को लिए एफएसएसएआई ने ड़ा कदम उठाया और दूध उत्पादन और बिक्री के लिए लाइसेंस को अनिवार्य बना दिया। सरकारी एजेंसी ने बयान जारी कर कहा कि सभी दूध उत्पादकों तथा दूध विक्रेताओं को समितियों के सदस्यों को अलावा अपने खाद्य व्यवसाय के संचालन से पहले एफएसएसएआई के साथ अनिवार्य रूप से पंजीकरण या लाइसेंस प्राप्त करना होगा। बयान ने आगे कहा गया कि इसका उद्देश्य दूध में मिलावट की घटनाओं को रोकना, खाद्य सुरक्षा अनुपालन को मजबूत करना तथा सुरक्षित भंडारण और स्वच्छ आपूर्ति सुनिश्चित कर जनस्वास्थ्य की रक्षा करना है। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस संबंध में विशेष पंजीकरण अभियान और प्रवर्तन जांच करने के भी निर्देश दिए गए हैं। एफएसएसएआई की ओर से जारी नोट में कहा गया कि सभी राज्यों में दूध में संभावित मिलावट से संबंधित घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, पंजीकरण/लाइसेंसिंग आवश्यकताओं का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए केंद्रीय और सभी राज्यों की प्रवर्तन एजेंसी से अनुरोध किया जाता है कि दूध उत्पादकों तथा दूध विक्रेताओं के लाइसेंस और पंजीकरण को सत्यापित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करें। साथ ही कहा कि सभी राज्य अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में विशेष पंजीकरण अभियान चलाएं।

भारत में खुदरा महंगाई दर फरवरी में 3.21% रही, अरहर, लहसुन और आलू के दाम घटे

नई दिल्ली। भारत में खुदरा महंगाई दर फरवरी में 3.21 प्रतिशत रही है, जो कि जनवरी की महंगाई दर 2.74 प्रतिशत से 0.47 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा गुरुवार को दी गई। मंत्रालय की ओर से जारी किए गए डेटा के मुताबिक, फरवरी में ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 3.37 प्रतिशत रही है, जो कि जनवरी में 2.73 प्रतिशत थी। वहीं, शहरी इलाकों में फरवरी में खुदरा महंगाई दर 3.02 प्रतिशत रही है, जो कि शहरी इलाकों में 2.75 प्रतिशत थी।

खाद्य महंगाई दर फरवरी में 3.47 प्रतिशत रही है। इस दौरान ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर 3.46 प्रतिशत और शहरी इलाकों में 3.48 प्रतिशत रही है। मंत्रालय ने बताया कि फरवरी में जिन पांच चीजों के दाम सालाना आधार पर सबसे अधिक कम हुए हैं, उनमें लहसुन (-31.09 प्रतिशत), प्याज (-28.20 प्रतिशत), आलू (-18.46 प्रतिशत), अरहर (-16 प्रतिशत) और लीची (-11.52 प्रतिशत) शामिल हैं।

फरवरी में जिन पांच चीजों के दाम सबसे अधिक बढ़े हैं, उनमें सिल्वर ज्वेलरी (160.84 प्रतिशत), गोल्ड/डायमंड/प्लेटिनम ज्वेलरी (48.16 प्रतिशत), कोपरा (46.16 प्रतिशत), टमाटर (45.29 प्रतिशत) और फूलगोभी (43.77 प्रतिशत) शामिल हैं। इसके अलावा, फूड एंड बेवरेज में महंगाई दर फरवरी में 3.35 प्रतिशत, पान और तंबाकू में 3.49 प्रतिशत, कपड़े और जूते में 2.81 प्रतिशत, हाउसिंग, पानी, बिजली, गैस एवं अन्य फ्यूल में 1.52 प्रतिशत और एजुकेशन सर्विसेज में 3.33 प्रतिशत रही है।

वायु सेना प्रमुख का पंजाब दौरा, मिग-29पीजी लड़ाकू विमान का निरीक्षण

पंजाब में स्थित एक वायु सेना स्टेशन का दौरा करते हुए वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह अधिकारियों के साथ MiG-29PG लड़ाकू विमान के सामने दिखाई दिए। इस दौरे का उद्देश्य स्टेशन की तैयारियों, वायु सुरक्षा व्यवस्थाओं और विमानन क्षमता का मूल्यांकन करना था। इस दौरान उन्होंने जवानों से बातचीत की और उन्हें प्रेरित किया। एयर चीफ मार्शल ने MiG-29UPG विमान के रख-रखाव और उड़ान क्षमताओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को उच्च मानकों पर प्रशिक्षण और तत्परता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। अधिकारियों ने विमान की तकनीकी क्षमताओं और आगामी अभियानों की तैयारियों के बारे में ब्रीफिंग दी। वायु सेना प्रमुख ने कहा कि भारत की वायु सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी स्टेशन अपने ऑपरेशनल तैयारियों में उत्कृष्टता बनाए रखें। दौरे का यह कदम वायु सेना की ताकत और तत्परता को और सुदृढ़ करने के प्रयास का हिस्सा है।

न्यूज विंडो

प्रधानमंत्री मोदी के मुरीद हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई पीएम

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने दिल्ली में होने वाले रायसीना डायलॉग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कार्यक्रम साल 2016 से हर मार्च में आयोजित हो रहा है। यह एक सोच का शानदार नतीजा है। एबॉट ने इसकी तुलना दुनिया के अन्य बड़े

मंचों से की। उन्होंने इसे स्विट्जरलैंड के दावोस और चीन के बोआओ फोरम से बेहतर बताया। उनके अनुसार, रायसीना डायलॉग में केवल अमीर लोगों का बोलबाला नहीं रहता और न ही यह सिर्फ सरकार की तारीफ करने का जरिया है। भारत का यह मंच पूरी तरह स्वतंत्र है। प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए एबॉट ने कहा, मोदी दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेताओं में से एक हैं। इसके बावजूद उनमें दूसरों को सुनने का बड़ा गुण है। वे हर साल मुख्य अतिथि को सुनने के लिए कार्यक्रम में बैठते हैं, लेकिन खुद भाषण नहीं देते। पिछले साल उन्होंने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री और इस साल फिनलैंड के राष्ट्रपति को पूरे धैर्य के साथ सुना। एबॉट ने कहा कि शायद एक हिंदू संन्यासी के रूप में बिताए समय की वजह से मोदी में सत्ता का अहंकार नहीं आया है। वे एक दशक से ज्यादा समय से सत्ता में हैं, फिर भी बहुत विनम्र हैं।

यूपीः विस चुनावों के पहले भाजपा संगठन को बदलने की तैयारी

लखनऊ। लगभग डेढ़ दशक बाद भाजपा के प्रदेश संगठन में बड़े बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। 2010 से अब तक संगठन में कई पदाधिकारी महामंत्री, उपाध्यक्ष, मंत्री और प्रवक्ता जैसे पदों पर लगातार बने हुए हैं। इस दौरान सात प्रदेश अध्यक्ष बदले, लेकिन अधिकांश पदों पर वही चेहरे कायम रहे। इनमें से कई नेता विधायक या विधान परिषद सदस्य भी बन चुके हैं, फिर भी संगठन में उनकी जिम्मेदारियां बनी हुई हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव को देखते हुए नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी संगठन में व्यापक बदलाव की योजना पर काम कर रहे हैं। सूत्रों के अनुसार इस बार बदलाव केवल औपचारिक नहीं होगा, बल्कि इसका असर जमीनी स्तर पर भी दिखाई देगा। संगठन में जातीय, क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दरअसल पिछले वर्षों में प्रदेश अध्यक्ष तो बदलते रहे, लेकिन संगठन के प्रमुख पदों पर पुराने चेहरों की ही पुनरावृत्ति होती रही। इससे क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन प्रभावित हुआ।

फिर बढ़ा टैरिफ का खतराः अमेरिका ने भारत समेत 16 व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ शुरू की जांच

नई दिल्ली। वैश्विक व्यापार में एक बार फिर तनाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत समेत 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ नई जांच शुरू की है। अमेरिका का आरोप है कि इन देशों की व्यापारिक नीतियां अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचा रही हैं और इससे अमेरिकी बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। यह जांच 1974 के अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत की जा रही है। यह वही कानून है जिसके तहत

अमेरिका किसी देश की व्यापारिक नीतियों को अनुचित मानते हुए एकतरफा टैरिफ बढ़ा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि इस जांच का मकसद यह पता लगाना है कि इन देशों की नीतियां अमेरिकी व्यापार के लिए नुकसानदेह हैं या नहीं। अमेरिका ने जिन देशों के खिलाफ जांच शुरू की है उनमें भारत, चीन, बांग्लादेश, कंबोडिया, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, मलयेशिया, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इन देशों की औद्योगिक नीतियों के कारण वैश्विक बाजार में अत्यधिक उत्पादन हो रहा है और इसका असर अमेरिकी उद्योगों पर पड़ रहा है।

सीक्रेट गुफाओं में छिपा भंडार, मिल रहा है रूस का साथ...

ईरान युद्ध के बीच भारत ने ऐसे टाल दिया ऊर्जा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान और इजरायल के बीच जारी भीषण युद्ध ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिलाकर रख दिया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से दुनिया भर में तेल की आपूर्ति बाधित हुई है। भारत के लिए भी यह स्थिति चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि देश अपनी लगभग 90 फीसदी कच्चे तेल की जरूरत आयात के जरिए पूरी करता है। इसके अलावा एलपीजी का लगभग 60 फीसदीऔर एलएनजी का करीब 50 फीसदी भी विदेशों से आता है। हालांकि भारत ने अपनी दूरदर्शी रणनीति और इंडिया फर्स्ट नीति के दम पर खुद को इस बड़े झटके से बचा लिया है। जहां पड़ोसी देश पाकिस्तान लॉकडाउन जैसी स्थिति में है, वहीं भारत अपनी सीक्रेट ऑयल केव्स यानी भूमिगत तेल गुफाओं और रूस के साथ कूटनीतिक तालमेल के कारण मजबूती से खड़ा है। दरअसल, सरकार ने रणनीति के तहत पिछले कुछ वर्षों में भूमिगत तेल भंडारण गुफाएं बनाईं और तेल आयात के स्रोतों को व्यापक रूप से विविध बनाया गया। इन कदमों ने भारत को अचानक आने वाले ऊर्जा संकट से काफी हद तक बचाया है।

भारत के पास कितने दिनों का तेल भंडार

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक, भारत के पास फिलहाल करीब 25 दिनों का कच्चा तेल भंडार मौजूद है। इसके अलावा पेट्रोल और डीजल का स्टॉक भी लगभग 25 दिन तक चल सकता है। रसोई गैस यानी एलपीजी की उपलब्धता 25-30 दिनों तक बनी रह सकती है, जबकि उद्योगों में इस्तेमाल होने वाली एलएनजी का भंडार लगभग 10 दिनों का है।

भारत की 'सीक्रेट' भूमिगत तेल गुफाएं

भारत की ऊर्जा सुरक्षा का सबसे अहम आधार उसकी भूमिगत रणनीतिक तेल भंडारण गुफाएं हैं। ये तीन प्रमुख स्थानों पर बनाई गई हैं- विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर में। इन गुफाओं को भारतीय सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड ने विकसित किया है। इनकी कुल भंडारण क्षमता 5 ।33 मिलियन मीट्रिक टन (करीब 4 करोड़ बैरल) है, जो भारत की लगभग 10 दिनों की जरूरत पूरी कर सकती है। इन भूमिगत भंडारों की खासियत यह है कि ये ड्रोन या मिसाइल हमलों से सुरक्षित रहते हैं, प्राकृतिक आपदाओं से कम प्रभावित होते हैं, आग या तेल रिसाव का खतरा कम होता है। सरकार ने अभी तक इन रणनीतिक भंडारों का इस्तेमाल नहीं किया है। जरूरत पड़ने पर ये आपूर्ति संकट के दौरान एक सुरक्षा कवच का काम करते हैं।

तेल आयात के नए स्रोत

ईरान युद्ध के बाद भारत ने अपने तेल आयात के स्रोतों को और अधिक विविध बनाया है। सरकार के मुताबिक अब भारत करीब 40 देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है, जिनमें यूरोप, लैटिन अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका शामिल हैं। अब भारत के करीब 70 फीसदी तेल आयात ऐसे समुद्री मार्गों से आ रहे हैं जो स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं, जबकि पहले यह हिस्सा करीब 50-55 फीसदी था। भारत की ऊर्जा रणनीति में रूस से आयात होने वाला तेल भी अहम भूमिका निभा रहा है। पिछले साल इस मुद्दे पर अमेरिका ने भारत की आलोचना की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस समय रूसी तेल खरीदने को लेकर भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ भी लगाया था। लेकिन मार्च 2026 में मिडिल ईस्ट संकट के चलते अमेरिका ने भारत को रूसी तेल खरीदने की अस्थायी छूट दे दी। इसके बाद भारत ने तेजी से रूसी तेल खरीद बढ़ा दी। रिपोर्ट्स के अनुसार भारत ने करीब 3 करोड़ बैरल रूसी कच्चा तेल खरीदा है, जो दक्षिण एशिया के आसपास टैंकरों में मौजूद था।

तालिबान का पाकिस्तान को डेथ वारंट

इस्लामाबाद-कराची और क्वेटा को दहलाने की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी

अफगानिस्तान पर पाकिस्तानी एयरस्ट्राइक के बाद दोनों देशों के बीच तनाव अब आर-पार की जंग में तब्दील होता दिख रहा है। पाकिस्तान द्वारा की गई एयरस्ट्राइक के बाद अब तालिबान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पाकिस्तान के प्रमुख शहरों पर हमले की धमकी दी है। यह चेतावनी कथित तौर पर अफगानिस्तान में पाकिस्तानी हवाई हमलों के बाद सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत के तालिबान गवर्नर के प्रवक्ता हाजी जाहिद ने कहा कि यदि पाकिस्तान की ओर से ऐसे हमले जारी रहते हैं तो पाकिस्तान के बड़े शहरों को निशाना बनाया जा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से इस्लामाबाद, कराची और क्वेटा का उल्लेख किया।

यह बयान ऐसे समय आया है जब अफगानिस्तान में तालिबान प्रशासन ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सेना ने अफगानिस्तान के कई इलाकों में हवाई हमले किए हैं। इन हमलों में राजधानी काबुल और कंधार सहित कुछ अन्य क्षेत्रों को भी निशाना बनाए जाने की खबरें हैं। हाजी जाहिद,हाजी युसूफ के प्रवक्ता हैं। वफा को तालिबान के शीर्ष नेता हैबतुल्ला अखुंदजादा का करीबी माना जाता है और उत्तरी अफगानिस्तान में उनका प्रभाव काफी मजबूत बताया जाता है।

क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर पैदा हुईं चिंताएं

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बयान दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव का संकेत है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा लंबे समय से विवाद और सैन्य झड़पों का केंद्र रही है। समय-समय पर दोनों पक्ष एक-दूसरे पर सीमा पार हमलों और उग्रवादियों को समर्थन देने के आरोप लगाते रहे हैं। ताजा बयान के बाद क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। विश्लेषकों के मुताबिक यदि दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई और बयानबाजी इसी तरह जारी रही तो इससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ सकती है। फिलहाल पाकिस्तान की ओर से तालिबान के इस बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जरूरी होगी।

तुर्की में भूकंप के जोरदार झटके, 5.5 की तीव्रता ने उड़ाई नींद, सड़कों पर आए लोग

नई दिल्ली। मध्य तुर्की में शुक्रवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। तुर्की की डिजास्टर एंड इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5।5 मापी गई है। भूकंप के झटकों ने लोगों को गहरी नींद से जगा दिया और दहशत के कारण लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। AFAD ने बताया कि भूकंप सुबह 3:35 बजे आया। इसका केंद्र टोकाट प्रांत का निक्सार कस्बा था। भूकंप की गहराई जमीन से मात्र 6.4 किलोमीटर नीचे दर्ज की गई। गहराई कम होने की वजह से इसके झटके काफी तेज महसूस किए गए और आसपास के कई अन्य प्रांतों में भी

कंपन महसूस हुई। राहत की बात ये है कि अभी तक किसी भी जान-माल के नुकसान या इमारतों के गिरने की खबर नहीं मिली है। AFAD ने आधिकारिक बयान में कहा कि फिलहाल कोई प्रतिकूल घटना सामने नहीं आई है। प्रशासन और आपातकालीन टीमें प्रभावित इलाकों की निगरानी कर रही हैं। भले ही प्रशासन ने सुरक्षा का भरोसा दिया है, लेकिन स्थानीय लोगों में डर का माहौल बना हुआ है।

यूपी में चेताया... ईरान के नाम पर छाती पीटी तो होगा पूरा इलाज

संभल। संभल कोतवाली परिसर में अलविदा जुमे से पहले सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार और सीओ कुलदीप कुमार ने पीस कमेटी के साथ बैठक की। इसमें लोगों को सड़क पर नमाज नहीं पढ़ने की हिदायत दी गई। कहा गया कि सड़क पर नमाज अदा की तो जेल भेज दिया जाएगा। समोली के सीओ कुलदीप कुमार ने कहा कि ईरान-इस्राइल के बीच जो झगड़ा हो रहा है, उससे यहां के कुछ लोगों को खुजली हो रही है। यदि इतनी ही दिक्कत हो रही है तो जहाज ईरान जाकर भारतीयों को ला रहे हैं तो उसमें बैठकर चले जाओ और ईरान की ओर से लड़ों। लेकिन दो देशों के बीच चल रहे झगड़े का हमारे देश की कानून व्यवस्था पर असर पड़ा तो फिर हम बढ़िया वाला इलाज करेंगे। कहा कि अलविदा हो या जुमा की नमाज, किसी भी देश के विरोध में कोई पट्टी, स्लोगन या नारा नहीं होना चाहिए। म हिंदुस्तानी हैं और सुकून से रहे हैं। जहां विवाद चल रहा है, वह अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं, वहां के देश जानें और सुलझा लें। कहा कि ईरान के नाम पर देश में कई जगहों पर ऐसी हरकतें हुई हैं। यह बर्दाश्त लायक नहीं है। यहां ईरान के नाम पर यदि छाती पीटी तो बढ़िया वाला इलाज कर देंगे। पुलिस वहां तक इलाज करेगी, जहां पोस्टर, बैनर या स्लोगन छपते हैं। सीओ ने अपील की यह प्यार और सौहार्द का त्योहार है।

संभल सीओ कुलदीप सिंह का वीडियो वायरल

मेट्रो एंकर

जब रेड पड़ी तो मेडिकल सर्विसेज के डीजीएम साहब की बौखलाहट

कूड़ेदान में डालने लगे नोटों की गड्डियां, कमाई छिपाने की नाकाम कोशिश

पटना, एजेंसी

बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत स्पेशल विजिलेंस यूनिट ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बिहार मेडिकल सर्विसेज इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन लिमिटेड के डीजीएम पंकज कुमार के चार ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई है। पंकज कुमार पर करीब एक करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। छापे के दौरान पटना के कदमकुंआ स्थित DGM के आवास पर एक बेहद चौंकाने वाला नजारा देखने

को मिला। जैसे ही SVU की टीम घर के अंदर दाखिल हुई, डीजीएम पंकज कुमार घबरा गए और अपनी काली कमाई को छिपाने के लिए पैसे कचरे के डिब्बे में फेंकने लगे। हालांकि, सतर्क विजिलेंस टीम ने तुरंत उन पैसों को जब्त कर लिया। फिलहाल बरामद रुपयों की गिनती जारी है।

इन ठिकानों पर हुई छापेमारी

विजिलेंस की टीम ने पंकज कुमार के चार ठिकानों को निशाने पर लिया है। इसमें PMCH यानी उनका विभागीय कार्यालय, कदमकुंआ पटना स्थित उनका निजी आवास और अन्य दो ठिकाने शामिल हैं। जिनसे जुड़ी संपत्तियों के दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं।

दस्तावेजों और बैंक खातों की जांच

SVU के डीएसपी चंद्रभूषण ने बताया कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में ठोस इनपुट मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। छापेमारी के दौरान कई बैंक अकाउंट, निवेश के कागजात और बेनामी संपत्ति से जुड़े दस्तावेज मिले हैं, जिनकी बारीकी से जांच चल रही है। SP पटना चंद्रभूषण ने बताया, आय से अधिक संपत्ति के मामले में मामला दर्ज किया गया है। छापेमारी जारी है और बरामदगी का पूरा ब्योरा जांच पूरी होने के बाद साझा किया जाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564